CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 10 अंक : 108 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, रविवार 11 मई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

मुख्यमंत्री की पहल पर सर्वदलीय बैठक

प्रदेशवासियों की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश और प्रदेशवासियों की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम परिस्थितियों का विश्लेषण कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अहम निर्णय ले रहे हैं। इसमें सरकार को सभी दलों का भी सहयोग मिलना बेहद आवश्यक है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी दलों से एकजुटता और आपसी सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रदेश हित में सरकार के साथ मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं।

सीमावर्ती जिलों को आर्थिक सहायता, भरे गए रिक्त पद

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में मानव संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए सभी रिक्त पदों को तुरंत भरने की कार्यवाही की जा रही है। शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में परिवहन, शिविर, दवाईयां, उपकरण, प्रभावितों के लिए भोजन सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, जोधपुर, हनुमानगढ़ व फलौदी जिलों के लिए रिवॉल्विंग फंड उपलब्ध करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत के मुताबिक आरएसी, आपदा राहत बलों, सिविल डिफेंस की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने के लिए लगाई गई है। सीमावर्ती जिलों के प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिव अपने क्षेत्रों में सतत सम्पर्क व प्रशासन के साथ निरन्तर समन्वय बनाए हुए हैं। पुलिस व प्रशासन की टीमें कोई भी सूचना मिलने पर पहुंचकर मुस्तैदी से आवश्यक कार्रवाई कर रही हैं।

सायरन सिस्टम को किया गया सुदृढ़

शर्मा ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में प्रशासन सुरक्षा एजेन्सियों से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप ब्लैकआउट एवं आवागमन प्रतिबंधों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करवा रहा है, जिसमें नागरिकों का भी अपेक्षित सहयोग मिल रहा है। शादियों व अन्य समारोहों में तेज रोशनी, चकाचौंध व आतिशबाजी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। निजी ड्रोन को उड़ाने पर भी पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। जिला प्रशासन को पर्याप्त मात्रा में सायरन की सुदृढ़ व्यवस्था करने और विभिन्न प्रकार के सायरन संकेतों के बारे में जनसाधारण को टीवी चैनल, रेडियो, सोशल मीडिया इत्यादि के माध्यम से जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सभी दल पूरी तरह राज्य सरकार के साथ

इस दौरान विभिन्न दलों के नेताओं ने कहा कि वे वर्तमान परिस्थिति में पूरी तरह राज्य सरकार के साथ हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई और वर्तमान परिस्थितियों में केन्द्र और राज्य सरकार की तैयारियों की सराहना करते हुए विभिन्न सुझाव दिए। इन सुझावों में विभिन्न जिलों में उपलब्ध संसाधनों का भौतिक सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उपयोग करने, प्रदेशवासियों को हर घटनाक्रम की जानकारी अधिकृत माध्यम से देने, चिकित्सा एवं अन्य व्यवस्थाओं में एनसीसी, स्काउट सहित नर्सिंग विद्यार्थियों का सहयोग लेने और सीमावर्ती जिलों के ग्रामीण इलाकों में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक संगठनों की बैठकें आयोजित कराने जैसे सुझाव प्रमुख रहे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, विधानसभा में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, कांग्रेस पार्टी प्रतिनिधि व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक रफीक खान, राष्ट्रीय लोकदल से विधायक डॉ. सुभाष गर्ग, बहुजन समाज पार्टी से विधायक मनोज कुमार व भारत आदिवासी पार्टी से विधायक उमेश मीणा उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण जगहों पर बढ़ाई सुरक्षा, साइबर अटैक से बचने के किए प्रबंध

मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक स्थल, बाजार, पर्यटन स्थल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। धार्मिक स्थल, महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों जैसे बांध, बिजलीघर, रिफाइनरी इत्यादि की सुरक्षा व सतत निगरानी की जा रही है। साइबर अटैक से बचने के लिए भी आवश्यक उपाय किए गए हैं। शर्मा ने सभी दलों से अपील करते हुए कहा कि अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और वॉलेंटियर्स के साथ संपर्क में रहें और राज्य सरकार की ओर से आयोजित ब्लड डोनेशन, रेस्क्यू कार्यक्रमों, ब्लैक आउट और अन्य व्यवस्था से जुड़े मामलों में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि हम सब की सावधानी और सतर्कता प्रदेश की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आप सचेत रहकर छोटी से छोटी घटनाओं पर नजर बनाए रखें। अफवाहों को फैलने से रोकें। यदि किसी भी स्तर पर कमी व आवश्यकता महसूस हो तो सरकार को अवगत कराएं।

पाक की फिर नापाक हरकत, सीजफायर तोड़कर की फायरिंग

जम्मू/एजेंसी। भारत पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष का शनिवार को चौथा दिन रहा। पाकिस्तान ने शुक्रवार को रात गहराते ही जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान से गुजरात तक के 26 इलाकों में फिर ड्रोन से हमला बोला। इसे भारतीय सैन्य बलों ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान बैकफुट पर आया। भारत ने शाम पांच बजे से संघर्षविराम का एलान किया। रात नौ बजे पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर फायरिंग हुई।ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत के ताबड़तोड़ हमलों से बैकफुट पर आए पाकिस्तान ने युद्ध विराम की घोषणा के बाद एक फिर से अपनी नापक चाल चल दी है। पाकिस्तान ने सीमा से रेखा सटे इलाकों में एक बार फिर से फायरिंग शुरू कर दी है। इसके अलावा उधमपुर में धमाके की आवाज सुनी गई। जानकारी के मुताबिक श्रीनगर, बारामूला और छंब में भारी गोलीबारी हो रही है। वहीं राजौरी में पूरी तरह से ब्लैक आउट कर दिया गया है। कानाचक सेक्टर से मढ़ में तीन ड्रोन आसमान पर देखे गए हैं। पाकिस्तान की इस हिमाकत का भारतीय जवान माकूल जवाब दे रहे हैं। सीजफायर उल्लंघन पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने ट्वीटर पर ट्वीट कर लिखा, आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ? श्रीनगर में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। वहीं जम्मू-कश्मीर पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि श्रीनगर में कई विस्फोट हुए हैं। लालचौक, बीबी कैंट एरिया और सफापोरा में विस्फोट हुए हैं।

पठानकोट में फिर दिखे ड्रोन

जालंधर/पठानकोट। सीजफायर के ऐलान के बाद भी भारत-पाक सीमा पर हालात सामान्य नहीं हैं। शनिवार देर रात पंजाब के पठानकोट में एक बार फिर दो संदिग्ध ड्रोन देखे गए, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। ड्रोन देखे जाने के तुरंत बाद इलाके में लगातार सायरन बजाए गए और सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसके साथ ही पठानकोट समेत अमृतसर, बठिंडा, होशियारपुर, फाजिल्का, फिरोजपुर और बरनाला में एक बार फिर ब्लैकआउट लागू कर दिया गया।

पोषाहार वितरण में होने वाली शिकायतों का पारदर्शिता से हो निस्तारणः दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उपमुख्यमंत्री और महिला व बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय स्थित उनके कक्ष में महिला व बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं और महिला अधिकारिता निदेशालय) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आई एम शक्ति के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने उड़ान योजना में सेनिटरी नेपकिन की वितरण व्यवस्था के मैकेनिज्म मे पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामुहिक विवाह की सूचना 7 दिवस पहले विभाग के पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने वर्क फ्रॉम होम योजना पर चर्चा करते हुए चैटबोट विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अमृता हाट को बड़े स्तर पर आयोजित करने व इनमें माहिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने किराये के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को शीघ्रता से विद्यालयों में शिफ्ट करने निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पोषाहार वितरण में होने वाली शिकायतों का पारदर्शिता से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जैसलमेर और श्रीगंगानगर से चलने वाली ट्रेनें रद्द, स्टेशन की सुरक्षा बढ़ाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पाकिस्तान ने लगातार तीसरे दिन राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर और उल्लाई पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया, जिसे भारतीय डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। ये सभी हमले रात के समय हुए और दिन में अलग-अलग जगहों से निष्क्रिय ड्रोन-मिसाइलों का मलबा बरामद किया गया। हालांकि शनिवार सुबह बाड़मेर डीएम टीना डाबी ने संभावित ड्रोन स्ट्राइक के खतरे के चलते एक बार फिर जिले में रेड अलर्ट जारी कर दिया। इस बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी बड़ा फैसला ले लिया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि 'राजस्थान की 1000 किलोमीटर से ज्यादा की सीमा पाकिस्तान से लगती है। ऐसे में हम हर परिस्थिति के लिए तैयार हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सेना और केंद्र सरकार के साथ मिलकर सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। उनसे मॉक ड्रिल, ब्लैकआउट और सीमित मूवमेंट जैसे कदमों को प्रभावी बनाने के लिए जनजागरूकता बढ़ाने के लिए भी कहा गया है। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाए। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि सीमावर्ती जिलों में कोई कर्मचारी स्थानांतरण के कारण ड्यूटी से न चूके। जरूरत पड़ने पर रिटायर्ड कर्मियों और वॉलेंटियर्स की मदद भी ली जाएगी। सीएम शर्मा ने कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव बना हुआ है। इसके मद्देनजर सीमावर्ती जिलों में आरएसी, एसडीआरएफ और होमगार्ड की अतिरिक्त तैनाती की जा चुकी है। प्रभारी सचिव भेजे गए हैं। सभी जिलों में निगरानी बढ़ाई गई है। खाना, दवाई, इंधन सहित सभी जरूरी सामान का स्टॉक कर लिया गया है। जरूरत के समय किसी भी चीज की कमी नहीं आएगी। पाकिस्तान की सीमा से सटे सभी जिलों में निजी ड्रोन उड़ाने और आतिशबाजी करने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। शादी समारोह दिन में करने की एडवाइजरी जारी की गई है।

राजस्थान बॉर्डर पर संघर्ष विराम लागू

जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर और हनुमानगढ़ में अब भी ब्लैकआउट जारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर/जैसलमेर(एजेंसी)। भारत- पाकिस्तान के बीच कई दिनों से चल रहे तनाव का अंत शनिवार को हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत सरकार की संयुक्त पहल के बाद शाम 5 बजे से दोनों देशों के बीच सीजफायर (संघर्षविराम) लागू कर दिया गया। इसके बाद राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में राहत का माहौल दिखा। सीजफायर के ऐलान के बाद बाड़मेर सहित कुछ इलाकों में ब्लैकआउट समाप्त कर बाजार खोल दिए गए। लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम्" के नारे लगाकर खुशी जताई। हालांकि सुरक्षा को देखते हुए जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर और हनुमानगढ़ में ब्लैकआउट अब भी जारी रहेगा। शनिवार सुबह पाकिस्तान की ओर से राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में हमले की कोशिश की गई थी, लेकिन भारतीय सेना ने मुस्तैदी से सभी प्रयासों को विफल कर दिया। जैसलमेर और बाड़मेर में मिसाइलों का मलबा बरामद हुआ, वहीं श्रीगंगानगर में सुबह-सुबह धमाकों की आवाजें सुनी गईं। एहतियात के तौर पर जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और बीकानेर के बाजारों को बंद करवाया गया और सीमावर्ती क्षेत्रों में चलने वाली कई ट्रेनें भी रद्द कर दी गई थीं। इस बीच सुबह हुई विदेश और रक्षा मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान की ओर से सूरतगढ़ एयरफोर्स स्टेशन को नुकसान पहुंचाने के दावे को झूठा बताया गया।

आतंकी हमले को अब युद्ध माना जाएगा, उसी के अनुसार मिलेगा जवाबः मोदी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एंजेसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान की ओर से लगातार मिसाइलें और ड्रोन दागी जा रही है। भारतीय सेना लगातार दुश्मन देश को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। बुधवार रात से ही पाकिस्तान लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इसी बीच भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के विरुद्ध युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसका जवाब उसी प्रकार दिया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हाईलेवल मीटिंग चली। 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस समेत तीनों सेनाओं के अध्यक्ष मौजूद रहे। भारत के हमलों से पाकिस्तान पूरी तरह पस्त हो चुका है। भारतीय सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान सेना का मनोबल टूट चुका है। पाकिस्तान ने शनिवार को कहा कि अगर भारत आगे के हमले बंद कर दे तो वह तनाव कम करने पर विचार करेगा। विदेश मंत्री इशाक डार ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात करने के बाद कहा कि अगर भारत आगे के हमले बंद कर दे तो पाकिस्तान तनाव कम करने पर विचार करेगा। हालांकि, अगर भारत आगे कोई हमला करता है, तो हम भी जवाब देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखला उठा पाकिस्तान

22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की जान ले ली थी। इसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में मौजूद पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर बमबारी की। इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। आतंकियों के मारे जाने के बाद पाकिस्तान की सेना बौखला उठी। बुधवार शाम दुश्मन देश ने भारत पर ड्रोन से हमले की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया इसके बाद गुरुवार रात पाकिस्तान की ओर से 400 से ड्रोन हमले किए गए। हालांकि, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन को धवस्त कर दिया। पाकिस्तान के इस हमले का भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया है।

CMYK

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
11 मई, 2025

राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.) राष्ट्रीय लोक अदालत में 114805 प्रीलिटिगेशन प्रकरण एवं 25075 लंबित प्रकरणों में कुल 398556186 रूपए के अवार्ड पारित राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के अध्यक्ष एवं जिला जज अनन्त भण्डारी के निर्देशानुसार शनिवार को वर्ष 2025 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ मिनाक्षी शर्मा, न्यायाधीष, मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण, अलवर द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया शनिवार को अलवर जिला न्यायक्षेत्र (जिसमें खैरथल-तिजारा एवं कोटपूतली-बहरोड़ नए जिले भी अभी तक शामिल हैं) में आने वाले समस्त ताल्लुका मुख्यालयों पर स्थित न्यायालयों, अन्य न्यायिक मुख्यालयों एवं राजस्व न्यायालयों एवं प्रीलिटिगेशन के प्रकरणों के निस्तारण हेतु अलवर जिला मुख्यालय पर 06 बेंचों का एवं शेष समस्त तालुकाओं के लिए कुल 22 बेंचों का गठन किया गया जिला मुख्यालय पर कुल 06 बेंचों में एमएसीटी न्यायालय अलवर की बेंच में अध्यक्ष मिनाक्षी शर्मा एवं सदस्य रविन्द्र सिंह सैनी अधिवक्ता, अपर जिला एवं सेशन न्यायधीश संख्या 03 अलवर की बेंच में अध्यक्ष ज्योति कुमारी सोनी एवं सदस्य रष्मि वषिष्ठ, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर की बेंच में अध्यक्ष मोहन लाल सोनी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सदस्य रष्मि शर्मा, तहसीलदार अलवर एवं कैलाश चंद शर्मा अधिवक्ता, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 03 अलवर की बेंच में अध्यक्ष सीमा हुड्डा एवं सदस्य बृजकिषोर अधिवक्ता, विशिष्ट न्यायिक मजि0 एनआई एक्ट प्रकरण संख्या 01 की बेंच में अध्यक्ष तुषार शर्मा एवं सदस्य राजेश गुप्ता अधिवक्ता, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि0 संख्या 02 अलवर की बेंच में अध्यक्ष सोनल मिश्रा एवं सदस्य राखी यदुवंशी अधिवक्ता उपस्थित रहे शुभारम्भ कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश एमएसीटी मिनाक्षी शर्मा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर मोहन लाल सोनी, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 03 अलवर ज्योति कुमारी सोनी, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 03 अलवर सीमा हुड्डा, विशिष्ट न्यायिक मजि0 एनआई एक्ट प्रकरण संख्या 01 तुषार शर्मा, अति सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि संख्या 02, सोनल मिश्रा, सचिव बार अभिभाषक संघ पंकज शर्मा, बेंचों के सदस्य अधिवक्तागण राजेश कुमार गुप्ता, श्री कैलाश चंद शर्मा एवं रश्मि वशिष्ठ आदि उपस्थित रहे इस राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामें से विभिन्न बैंकों, श्रम विभाग, बीएसएनएल, जेवीवीएनएल, राजस्व विभाग, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका आदि विभागों से संबंधित कुल 114805 प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर कुल 17628053 रूपये का अवार्ड पारित किया गया। इसके अतिरिक्त आपराधिक प्रकृति के कुल 13852 प्रकरणों में कुल 12486697 रूपये, राजस्व मामलों में कुल 9472 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। एनआईएक्ट के 253 प्रकरणों में 84271817 रूपये, धन वसूली के कुल 151 प्रकरणों में 22435828 रूपये, एमएसीटी के कुल 149 प्रकरणों में 96721000 रूपये, पारिवारिक मामलों के कुल 322 प्रकरण, सिविल के कुल 188 प्रकरणों में कुल 978988 रूपये, वाणिज्यिक के 107 प्रकरणों में कुल 145775680 रूपये, श्रम संबंधी कुल 3 प्रकरणों में कुल 675000 एवं अन्य कुल 578 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर कुल 17583123 रूपये का अवार्ड पारित किया गया। इस प्रकार कुल 37801 लंबित प्रकरणों में से कुल 25075 प्रकरणों का राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण किया जाकर कुल 380928133 रूपए का अवार्ड पारित किया गया। इन प्रकरणों को निस्तारित करने में कुल 28 बैंचों ने कार्य किया। सचिव सोनी द्वारा अलवर न्यायक्षेत्र में वर्ष 2025 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायालय स्टॉफ एवं बैंक व अन्य संस्थान के अधिकारीगण द्वारा लोक अदालत के सफलतापूर्वक संचालन एवं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तथा नगर निगम/प्रशासन द्वारा न्यायालय परिसर में शानदार रंगोली एवं समुचित साफ-सफाई आदि व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया गया

भारत देश के वीर बहादुर सैनिकों के लिए की दीर्घायु की कामना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। किशन कुंड विकास समिति के पदाधिकारियो ने शनिवार को भारत देश के महान, वीर और जांबाज सैनिकों की उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की किशन कुंड विकास समिति के पदाधिकारी ने अध्यक्ष हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में शनिवार को शिव मंदिर एवं देवी मां के चरणों में पूजा अर्चना की और हनुमान चालीसा का पाठ कर वीर सैनिकों की सुरक्षा के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर सभी समाज सेवकों ने आतंकी प्रशिक्षण शिविर को ध्वस्त करने पर भारत माता की जय, वंदे मातरम, इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगा कर सेवा के अदम्य साहस को सैल्यूट कियाऔर सैकड़ो की संख्या में पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराने पर मिठाई वितरित कर खुशी व्यक्त कीद्य इस अवसर पर ओम प्रकाश अरोड़ा, अशोक गुप्ता, बाला प्रसाद, कैलाशचंद शर्मा, बने सिंह सोनी, सत्यनारायण सोमवंशी सहित अनेक देशभक्त उपस्थित थे ।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मिश्रा ने भाजपा पर लगाए आरोप

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने भाजपा पर आपदा में अवसर ढूंढने का आरोप लगाया है। मिश्रा ने कहा कि देश के लिए नाजुक वक्त है। कांग्रेस सहित पूरा विपक्ष और देशवासी इस समय हमारी सेना व भारत सरकार के साथ खड़े हैं। मगर अफ़सोस है कि भाजपा अभी भी ओछापन दिखा रही है, कांग्रेस के खिलाफ़ प्रोपेगैंडा चला रही है, कांग्रेस के चुने हुए प्रतिनिधियों पर भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन करने का प्रेशर बना रहे है, गंदी राजनीति की आड़ में कांग्रेस पार्टी के चुने हुए जनप्रतिनिधियों को एक-एक करके पदों से हटा रहे हैं और प्रजातंत्र की हत्या कर रहे हैं। मिश्रा ने आरोप लगाते हुए बताा कि उदाहरण के तौर पर कोटकासिम प्रधान विनोद कुमारी सांगवान, भिण्डूसी तिजारा के सरपंच दिनेश खामरा और डेयरी चेयरमैन विश्राम गुर्जर को पद मुक्त कर दिया। भाजपा सरकार ये कृत्य बेहद ही तुच्छ और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश में राजनीति से बढ़कर राष्ट्रनीति ज़रूरी है। भाजपा का ये ही रवैया रहा तो कांग्रेस पार्टी इनके खिलाफ सडक से संसद तक विरोध प्रदर्शन करेगी।

हवन और महा आरती के साथ मंदिर भर्तृहरि धाम का 27वां स्थापना दिवस संपन्न

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजऋषि अभय समाज स्थित भर्तृहरि धाम मंदिर का विधिवत उत्साह पूर्वक 27वां स्थापना दिवस संपन्न हुआ। संस्था के महा मंत्री राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम अखंड रामायण के समापन एवं हवन यज्ञ तथा महा आरती के साथ संपन्न हुआ। इससे पूर्व शुक्रवार की रात्रि को संस्था अध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा महामंत्री राजेंद्र प्रसाद शर्मा महानिदेशक मनोज कुमार गोयल एवं लेखाकार श्रीमती सुनीता मिश्रा सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्य कलाकार सदस्य कलाकार एवं स्वयंसेवकों द्वारा दिवंगत कलाकारों को पुष्पांजलि देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर 2 मिनट का मौन भी रखा गया और उन दिवंगत कलाकारों को याद करते हुए उनकी कला के प्रति सेवाओं एवं समर्पण का जिक्र करते हुए संस्था अध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा ने कहा कि वास्तव में उन्होंने समर्पित होकर जो समाज और संस्था के लिए कार्य किया है वह अविस्मरणीय रहेगा। महा आरती के पश्चात सभी ने प्रसादी पाई।

अलवर में बाइक से गिरने पर महिला की मौत दोस्त की शादी से लौट रही थी, पति की हो चुकी थी मौत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.) । शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 22 वर्षीय महिला की जान चली गई। महिला दोस्त की शादी से लौट रही थी, तभी तिजारा फाटक पुलिया पर बाइक से उछलकर नीचे गिर गई। गंभीर चोट लगने पर उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान पूजा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पलखड़ी गांव की रहने वाली थी और किशनगढ़बास के कोल गांव में उसकी ससुराल थी। पूजा की शादी वर्ष 2007 में दिनेश नामक युवक से हुई थी, जिसकी तीन साल पहले मौत हो चुकी है। पति की मौत के बाद पूजा पटौदी स्थित एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी और दो बच्चों की मां थी। हादसे की सुबह पूजा अपने दोस्त भरत निवासी डेरोली (महेंद्रगढ़) के साथ बाइक से राजगढ़ के धमरेड़ गांव से वापस लौट रही थी, जहां वह 8 मई को एक दोस्त की शादी में गई थी। तिजारा फाटक पुलिया पर बाइक से असंतुलित होकर वह पीछे से गिर पड़ी और गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस के अनुसार, महिला का पोस्टमॉर्टम परिजनों के आने के बाद किया जाएगा। पुलिस परिजनों के बयान लेकर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

नर्सेज सप्ताह के तहत गतिविधियों का समापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज सप्ताह के तहत राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय तिजारा द्वारा जारी विभिन्न गतिविधियों का समापन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य राजपाल सिंह यादव ने बताया कि समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील चौहान, उपनियंत्रक डॉ बीएस खत्री, मेट्रन राजेश गुप्ता, रमेश शर्मा, प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज अलवर संदीप अवस्थी, वाइस प्रिंसिपल जी एन एम टी सी दिनेश चावला, मेट्रन ए एन एम टी सी सुरेन्द्र सिंह, रोशन सैनी थे। समापन कार्यक्रम में नर्सेज सप्ताह के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विजेताओं को प्रसस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि आज देश की परिस्थितियों के मद्देजनर हम सबको तैयार रहना है तथा हर मौके पर नर्सेज की महत्वपूर्ण भूमिका है। नर्सेज दिवस पर नर्सिंग शिक्षण संस्थानों व नर्सेज द्वारा सैनिकों व देशहित में 12 मई को जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में रक्तदान करने का भी प्रस्ताव रखा गया जिस पर ज्यादा से ज्यादा रक्तदान हेतु आह्वान किया गया। नर्सिंग स्टूडेंट राजीव गोदारा व साक्षी द्वारा स्पीच प्रस्तुत की गई तथा प्रथम सेमेस्टर के नर्सिंग स्टूडेंट्स की ओथ सेरेमनी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम संचालन प्रियंका साईवाल ने किया तथा संयोजन रेणु यादव ने किया। इस अवसर पर नरेंद्र अरोड़ा,मुकेश मीना, मनोज सिंह, राजकुमार यादव, प्रेमलता मीना, भगवत सिंह नरुका, पूरन चन्द गुप्ता, उमेश कुमार, असमीना सहित नर्सिंग स्टूडेंट्स थे।

मांघा का माजरा में बंद स्कूल खोलने की मांग

तेज ग्रामीणों ने बैठक कर पीइइओ से की गुहार, 25 छात्रों के नामांकन का भरोसा

जयपुर टाइम्स

भिवाड़ी (निसं.)मांघा का माजरा गांव में बंद पड़े राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को दोबारा शुरू करवाने की मांग को लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने एक बैठक की। बैठक में पूर्व सरपंच शेर सिंह, वर्तमान सरपंच संदीप सिंह, सचिव सतपाल सिंह, लंबरदार निहाल राजपूत, जीतराम सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। पूर्व सरपंच शेर सिंह ने बताया कि वर्ष 2017 में गांव के स्कूल का विलय अहीर बासना स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कर दिया गया था। इसके बाद से गांव के बच्चों को दूर स्थित स्कूल में जाना पड़ रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रधान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (पीइइओ) से विद्यालय को पुनः शुरू करने की मांग की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्कूल खुलते ही कक्षा 1 से 5 तक कुल 25 छात्रों का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माया देवी, वार्ड पंच गिरवर सिंह सहित कई अभिभावक व ग्रामीण भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर एक स्वर में कहा कि बच्चों के भविष्य और शिक्षा के हित में बंद स्कूल को फिर से शुरू किया जाना बेहद जरूरी है।

अलवर में लहूलुहान हालत में मिला नंदी शरीर में कुल्हाड़ी फंसी मिली, गोरक्षकों ने इलाज करवाया

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.) के राजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम आदुका में सांड पर अज्ञात लोगों ने कुल्हाड़ी से वार कर लहूलुहान कर दिया। कुल्हाड़ी सांड के शरीर मे फंसी मिली। दर्द से परेशान सांड इधर-उधर घूमता रहा। आखिर में गोरक्षकों को पता चलने पर उसका इलाज शुरू किया गया। भोरंगी धाम गौशाला के अजय शर्मा ने बताया- उन्हें सूचना मिली की आदूका गांव ने एक सांड के कुल्हाड़ी से किसी अज्ञात व्यक्तियों ने वार किए हैं और कुल्हाड़ी सांड के शरीर मे फंसी हुई है। इसके बाद गौरक्षक मौके पर पहुंचे। उन्होंने काफी मशक्कत के बात सांड को काबू किया। सांड के शरीर से कुल्हाड़ी को निकाला और पाटन वेटनरी टीम ने सांड का इलाज किया। घटना के बाद आमजन और गोरक्षकों में भारी रोष है। इस पूरे मामले के बारे में प्रशासन को अवगत कराया। पुलिस को भी रिपोर्ट दी है। ताकि अज्ञात के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर दोषियों को पकड़ा जाए। पहले भी लावारिश पशुओं पर इस तरह की क्रूरता देखी गई है।

पूर्व सैनिक के घर पर हमला, फायरिंग की बाइक पर आए बदमाश, जातिसूचक गालियां भी देने का आरोप

जयपुर टाइम्स

खैरथल खैरथल में पूर्व सैनिक के घर हमला करने का मामला सामने आया है। मामला 4 मई का है। पूर्व सैनिक रतनसिंह चौधरी (76) के घर दो बाइक सवार बदमाश पहुंचे। आरोपी इशु, कार्तिक और चिराग उर्फ मोनी ने सुरक्षाकर्मी तिलक को जातिसूचक गालियां दीं। रतनसिंह के बेटे नरेंद्र पर सरिया और लोहे की रॉड से हमला किया गया। इशु ने बंदूक से फायर भी किया। गोली दीवार में लगी, जिससे नरेंद्र बाल-बाल बच गए। घटना के दौरान परिवार ने कई बार थाने में फोन किया। किसी ने कॉल रिसीव नहीं की कुछ देर बाद रिंकू, शीशराम और 20-25 अन्य लोगों ने घर को घेर लिया। पूर्व पुलिसकर्मी शीशराम ने धमकी दी कि पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। पुलिस की गश्ती गाड़ी पहुंचने पर बदमाश भाग गए। एक आरोपी कार्तिक को पुलिस ने पकड़ा। आरोप लगाया कि 5 मई को थाने जाने के बावजूद पीड़ित की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। रतन सिंह के अनुसार इससे पहले भी परिवार पर कई बार हमले हुए हैं। थानाधिकारी राकेश मीणा ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

मकान पर कब्जे को लेकर 3 के सिर फोड़े मालाखेड़ा बाजार में दो पक्षों में लाठी, सरियों से झगड़ा

अलवर(निसं.) अलवर के कोतवाली थाना क्षेत्र के मालाखेड़ा बाजार में शनिवार को एक मकान पर कब्जे को लेकर महिला-पुरुष के सिर फोड़ दिए। घायलों का जिला असपताल में इलाज जारी है। दीपक सोनी ने बताया कि मेवात नगर निवासी देवेंद्र राघव, जगदीश सिंह समेत करीब 15 लोग लाठी, डंडे और सरिया लेकर रमाकांत के मकान पर कब्जा करने पहुंचे। इस दौरान रमाकांत सोनी, दीपक सोनी, शिल्पा और वृद्ध महिला बन्ना कुमारी ने विरोध किया। जिस पर आरोपियों ने चारों पर हमला कर दिया। हमले में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पाल में भर्ती कराया गया है। ,

खैरथल-तिजारा में युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर तिजारा, कोटकासिम और मुंडावर में लगेंगे औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर

जयपुर टाइम्स

तिजारा(निसं.) । खैरथल-तिजारा जिले के युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय औद्योगिक प्रोत्साहन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र भिवाड़ी के महाप्रबंधक सुरजीत सिंह खोरिया ने बताया कि ये शिविर 14 मई को तिजारा, 15 मई को कोटकासिम और 16 मई को मुंडावर में पंचायत समिति सभागारों में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक आयोजित होंगे। शिविरों में युवाओं को राज्य व केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, जिनमें डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित एवं आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, एक जिला एक उत्पाद नीति, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, MSME नीति 2024, एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी 2024 और राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इच्छुक प्रतिभागियों को प्रोजेक्ट चयन, प्रशिक्षण सुविधा और बैंकों के माध्यम से ऋण सहायता संबंधी मार्गदर्शन भी मिलेगा। महाप्रबंधक ने अधिक से अधिक युवाओं से इन शिविरों में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यह अवसर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मजबूत कदम देने वाला होगा।

भिवाड़ी पुलिस ने 7 साल से फरार तार चोरी के आरोपी को पकड़ा 2 हजार का इनामी जुबेर पलवल से गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

भिवाड़ी(निसं.)। भिवाड़ी पुलिस ने बिजली तार चोरी के एक पुराने मामले में 7 साल से फरार चल रहे इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी जुबेर उर्फ नांदी (35), निवासी गुणावट (हरियाणा), जाकिर मोटा गैंग का सक्रिय सदस्य है। इस पर भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने 2 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। जुबेर गैंग के साथ मिलकर 11 हजार व 33 हजार केवी की चलती बिजली लाइनों से तार चुराता था, जिससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होती थी। थाना टपुकड़ा में दर्ज दो मामलों में वह लंबे समय से वांछित था और फरारी के दौरान वाहन चालक का काम कर रहा था। जिला स्पेशल टीम भिवाड़ी और थाना टपुकड़ा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को पलवल (हरियाणा) के पास से पकड़ा गया। कार्रवाई डीएसटी कांस्टेबल गोपी की सूचना पर की गई। थानाधिकारी राजीव शर्मा के नेतृत्व में टीम ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस उससे अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ कर रही है और गैंग के बाकी सदस्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

फर्जी आरबीआई सर्टिफिकेट से करता था साइबर ठगी फेसबुक-वॉट्सऐप पर पुराने नोटों के नाम पर करता था धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

भिवाड़ी (निसं.)जेरोली थाना पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में फर्जी दस्तावेजों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी फिरोज (20), निवासी फुल्लावास, फेसबुक और वॉट्सऐप के जरिए फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों को ठगता था। वह पुराने नोटों और सिक्कों की खरीद-फरोख्त के बहाने पैसे ऐंठता था। थानाधिकारी विक्रम सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बेरला स्टैंड से अलापुर मोड़ की तरफ नाकाबंदी की थी। रात करीब 7:50 बजे पहाड़ की तलहटी में तीन संदिग्धों को देखकर पुलिस ने घेराबंदी की। इस दौरान आरोपी फिरोज को पकड़ लिया गया, जबकि दो अन्य फरार हो गए। आरोपी के पास से एक मोबाइल जब्त किया गया, जिसमें दो सिम, फर्जी आधार-पैन कार्ड और भारतीय रिजर्व बैंक का नकली प्रमाण पत्र मिला। उसके मोबाइल में राहुल जिंदल, पंकज भदौरिया और दीपक कुमार के नाम से फर्जी फेसबुक पेज भी पाए गए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसके मोबाइल और सिम कार्ड को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया गया है। मामले की जांच सब-इंस्पेक्टर ईश्वर सिंह कर रहे हैं। पुलिस ने आमजन से ऐसे ऑनलाइन ठगों से सतर्क रहने की अपील की है।

12 नागरिक सुरक्षा सेवा के लिए प्रभारी एवं सह प्रभारी अधिकारियों की हुई नियुक्ति

झुंझुनूं के जवान सुरेंद्र सिंह मोगा की शहादत पर राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने झुंझुनूं निवासी जवान सुरेंद्र सिंह मोगा की उधमपुर एयर बेस पर ड्यूटी के दौरान शहादत पर शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने पुण्यात्मा की शांति एवं परिजनों को यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

राजस्थान में बदला मौसम का मिजाजः कोटा-भरतपुर में बारिश, 30 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर टाइम्स

जयुपुर(कासं.)। राजस्थान में शनिवार को दोपहर बाद मौसम ने करवट ली। कोटा और भरतपुर में तेज बारिश हुई, जबकि कई जिलों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने प्रदेश के 30 जिलों में 11 मई को और 27 जिलों में 12 मई को आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जयपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, झालावाड़ और भरतपुर समेत कई जगहों पर मौसम में अचानक बदलाव देखा गया। जयपुर में शुक्रवार रात का न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं प्रदेश के अन्य शहरों में भी रात का तापमान सामान्य रहा। बाड़मेर में 26.6, जैसलमेर में 26.2, करौली में 26.4, फलोदी में 28.2, बीकानेर में 27.3, चूरू में 25.1, गंगानगर में 24.8, उदयपुर में 24.9, कोटा में 25.6 और अजमेर में 23.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। इन शहरों में अधिकतम तापमान भी 40 डिग्री से नीचे रहा। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार 13 मई से यह पश्चिमी विक्षोभ सिस्टम कमजोर पड़ जाएगा और गर्मी एक बार फिर तेज हो सकती है। ऐसे में प्रदेश में लू और तेज धूप का असर बढ़ने की संभावना है।

सीमा पर तैनाती बनी मजबूरीः पिता की मौत पर घर नहीं आ सका जवान, वीडियो कॉल पर किए अंतिम दर्शन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) जिले के चाकसू क्षेत्र के कादेडा गांव के एक बीएसएफ जवान के लिए यह क्षण बेहद भावुक और पीड़ादायक रहा, जब वह अपने पिता की मौत के समय घर नहीं लौट सका। श्रीनगर में सीमा पर तैनात जवान राजाराम धनकड़ ने वीडियो कॉल के माध्यम से अपने पिता के अंतिम दर्शन किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। राजाराम धनकड़ सीमा सुरक्षा बल में तैनात हैं और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर सेक्टर में उनकी ड्यूटी चल रही है। उनके पिता कालूराम धनकड़ कैंसर से पीड़ित थे और लंबे समय से अस्पताल में इलाज चल रहा था। जब पिता की हालत बिगड़ने लगी, तब जवान राजाराम 23 दिन की छुट्टी लेकर घर आए थे। 4 मई को वह अपनी छुट्टी समाप्त कर वापस ड्यूटी पर लौट गए। लेकिन दुर्भाग्यवश, 8 मई को पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। इसी दौरान भारत-पाक सीमा पर तनावपूर्ण हालात के चलते जवान को छुट्टी नहीं मिल सकी और वह अपने पिता की अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो सके। ऐसे भावुक क्षण में राजाराम के छोटे भाई गणेश ने वीडियो कॉल के जरिए उन्हें अंतिम दर्शन करवाए। वीडियो कॉल पर ही जवान राजाराम ने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। गांव के लोगों ने जवान की अनुपस्थिति में पूरे सम्मान के साथ कालूराम की अंतिम यात्रा निकाली और उन्हें अंतिम विदाई दी। राजाराम की देशभक्ति और कर्तव्य के प्रति समर्पण को लेकर गांव में भी भावुक माहौल रहा।

ऐश-आराम की जिंदगी के लिए घर से भागे नाबालिग, पुलिस ने बचाई जिंदगीः दिल्ली से पकड़े गए तीनों बच्चे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) शहर के श्याम नगर इलाके से तीन नाबालिग - दो लड़कियां और एक लड़का - घर से बिना बताए भाग निकले। इनकी उम्र महज 16 साल है। मोबाइल पर इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर रील देखकर यह तीनों बच्चों की तरह सोचने वाले किशोर 'ऐश-आराम' की जिंदगी के सपने देखने लगे और बिना भविष्य की चिंता किए घर छोड़कर दिल्ली रवाना हो गए। परिजनों को जब बच्चे घर पर नहीं मिले तो उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद श्याम नगर थाने में बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। मामला गंभीर होने पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। घर के पास लगे ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज की मदद से पुलिस ने बच्चों की मूवमेंट ट्रैक की और लोकेशन के आधार पर दिल्ली तक पीछा किया। आखिरकार पुलिस टीम ने बच्चों को दिल्ली से सुरक्षित बरामद कर लिया और वापस जयपुर ले आई। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर महंगी गाड़ियों, होटलों, ब्रांडेड कपड़ों और 'फ्री लाइफस्टाइल' वाली रील्स देखी थीं, जिससे प्रभावित होकर वे भी बिना सोचे-समझे ऐसा जीवन जीने की चाह में घर से भाग निकले। पुलिस ने बच्चों को परिजनों को सौंपते हुए समझाया कि सोशल मीडिया की चकाचौंध भरी दुनिया वास्तविकता से बहुत अलग होती है। इस तरह की घटनाएं न केवल बच्चों का भविष्य बर्बाद कर सकती हैं बल्कि उन्हें अपराध और शोषण के जाल में भी धकेल सकती हैं। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हम अपने बच्चों को डिजिटल दुनिया का सही उपयोग सिखा पा रहे हैं? साथ ही यह पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता का भी उदाहरण है, जिसने समय रहते तीन नाबालिगों की जिंदगी को बर्बाद होने से बचा लिया।

श्री नृसिंह देव जयंती पर शोभा यात्रा का आयोजन रविवार को

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) कस्बे के बानसूर रोड़ स्थित गोकुल सरोवर कॉलोनी में रविवार को भगवान श्री नृसिंह देव जयंती के उपलक्ष्य में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। यात्रा निर्माणाधीन मंदिर प्रांगण से प्रात 08.30 बजे शुरू होगी। तेजसदास महाराज ने आमजन से इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर भगवान श्री नृसिंह देव की भक्ति और आनंद का अनुभव करने एवं शोभा यात्रा को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जारी किये आदेश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नियंत्रक नागरिक सुरक्षा एवं जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने नागरिक सुरक्षा अधिनियम, 1968 के तहत 12 नागरिक सुरक्षा सेवाओं के लिए प्रभारी एवं सह प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की है। अतिरिक्त जिला कलक्टर संतोष कुमार मीणा ने बताया कि मुख्यालय सेवा के लिए नियंत्रक (जिला कलक्टर) नागरिक सुरक्षा को प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। बचाव सेवा के लिए अधीक्षण अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जयपुर शहर को प्रभारी अधिकारी तो वहीं, अधिशासी अभियन्ता, सार्वजनिक निमार्ण विभाग, जयपुर शहर को सह प्रभारी अधिकारी के तौर पर जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि हताहत/चिकित्सा सेवा के लिए अधीक्षक, सवाई मानसिंह अस्पताल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय को प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त अधीक्षक, सवाई मानसिंह अस्पताल, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, वार्डन सेवा के लिए मुख्य वार्डन, नागरिक सुरक्षा जयपुर को प्रभारी अधिकारी एवं उप मुख्य वार्डन नागरिक सुरक्षा जयपुर को सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि आपूर्ति सेवा के लिए जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम को प्रभारी अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षक, रसद विभाग जयपुर प्रथम को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रशिक्षण सेवा के लिए उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा जयपुर को प्रभारी अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी नागरिक सुरक्षा जयपुर को सह प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि कल्याण सेवा के लिए संयुक्त निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर शहर को प्रभारी अधिकारी एवं सहायक निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर शहर को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। डीपो एवं परिवहन सेवा के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जयपुर को प्रभारी अधिकारी एवं जिला परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) जयपुर को सह प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि संचार एवं सायरन सेवा के लिए महाप्रबंधक भारत संचार निगम लिमिटेड जयपुर को प्रभारी अधिकारी एवं उप महाप्रबंधक भारत संचार निगम लिमिटेड जयपुर को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। साल्वेज सेवा के लिए जिला कोषाधिकारी जयपुर को प्रभारी अधिकारी एवं उप कोषाधिकारी जयपुर को सह प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि अग्निशमन सेवा के लिए मुख्य अग्निशमन अधिकारी नगर निगम जयपुर हेरिटेज एवं ग्रेटर को प्रभारी अधिकारी एवं सहायक अग्निशमन अधिकारी नगर निगम जयपुर हैरिटेज एवं ग्रेटर को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। शव निपटान सेवा के लिए आयुक्त नगर निगम जयपुर हेरिटेज एवं ग्रेटर एवं अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम जयपुर हेरिटेज एवं ग्रेटर को सह प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्त प्रभारी अधिकारियों को नागरिक सुरक्षा अधिनियम 1968 में प्रदत्त प्रावधानों के अंतर्गत कार्य करना सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये गए हैं।

सहेली की सूझ-बूझ से छात्रा बची, किडनैपिंग से पहले पुलिस ने पकड़ी कारः आरोपी ड्राइवर गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कॉलेज छात्रा के अपहरण की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। टोंक से जयपुर आ रही 22 वर्षीय छात्रा को एक टैक्सी ड्राइवर ने कार में लॉक कर अगवा कर लिया। हालांकि पीड़िता की सूझ-बूझ और उसकी सहेली की तत्परता के चलते पुलिस ने समय रहते कार का पीछा कर छात्रा को सुरक्षित छुड़ा लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश निवासी यह छात्रा टोंक जिले के निवाई में एक कॉलेज में पढ़ती है और हॉस्टल में रहती है। सोमवार शाम करीब 6.30 बजे वह जयपुर जाने के लिए हॉस्टल से कुछ दूरी पर एक बस स्टैंड पर खड़ी थी, तभी एक टैक्सी कार आकर रुकी। उसमें पहले से दो सवारियां बैठी थीं, जिसे देखकर छात्रा ने उस कार में जयपुर जाने के लिए सीट ली। जयपुर के मालपुरा गेट क्षेत्र में जैसे ही दोनों सवारियां उतर गईं, ड्राइवर ने युवती को कार में लॉक कर दिया और टोंक रोड की बजाय दूसरी दिशा में तेज रफ्तार से कार दौड़ा दी। छात्रा ने जब कार रोकने को कहा तो ड्राइवर ने जान से मारने की धमकी दी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए छात्रा ने अपनी सहेली को फोन कर घटना की जानकारी दी। सहेली ने तुरंत मालपुरा गेट थाने को सूचित किया। पुलिस ने छात्रा के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की और कार का पीछा शुरू किया। कुछ ही दूरी पर रेनवाल के पास पुलिस ने कार को रोक लिया। छात्रा को सुरक्षित बाहर निकाला गया और आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया। कार को भी जब्त कर लिया गया है। एएसआई रामकिशोर ने बताया कि छात्रा की शिकायत पर FIR दर्ज कर ली गई है। आरोपी को शांतिभंग में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जल्द ही मुकदमे में औपचारिक गिरफ्तारी की जाएगी। इस घटना ने न केवल ट्रांसपोर्ट सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि यह भी साबित किया है कि थोड़ी सी सूझ-बूझ और समय पर कार्रवाई से बड़ा हादसा टाला जा सकता है।

सीमा तनाव के चलते राजस्थान में सभी उपचुनाव स्थगित

नगरीय निकायों और पंचायतों के प्रस्तावित चुनाव रोके गए

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में प्रस्तावित नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थानों के सभी उपचुनावों को राज्य निर्वाचन आयोग ने तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। आयोग ने शनिवार को आदेश जारी कर यह स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच बने तनावपूर्ण हालात के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि और अव्यवस्था से बचा जा सके। इससे पहले 9 मई को आयोग ने केवल पाकिस्तान से सटे सीमावर्ती जिलों में उपचुनावों पर रोक लगाने का आदेश दिया था। तब इन जिलों के कलेक्टरों ने चुनाव स्थगित करने की सिफारिश करते हुए पत्र भेजे थे। अब पूरे प्रदेश में होने वाले उपचुनावों को रोक दिया गया है। शेड्यूल के अनुसार, 26 से 29 मई के बीच 14 नगर निकायों, एक जिला प्रमुख, 2 प्रधान, एक उपप्रधान, 9 जिला परिषद सदस्य, 18 पंचायत समिति सदस्य, 18 सरपंच, 15 उपसरपंच और 169 वार्ड पंच पदों के लिए मतदान प्रस्तावित था। इन उपचुनावों के लिए 9 और 12 मई को अधिसूचना जारी की जानी थी, लेकिन उससे पहले ही आयोग को पंचायती राज और स्वायत्त शासन विभाग से चुनाव स्थगित करने संबंधी पत्र प्राप्त हुआ। पत्र में सीमा पर तनाव की स्थिति को आधार बताते हुए जनसुरक्षा की दृष्टि से चुनाव टालने की सिफारिश की गई थी। पंचायती राज चुनावों की बात करें तो श्रीगंगानगर जिले में जिला प्रमुख का चुनाव प्रस्तावित था, जबकि जिला परिषद सदस्य के चुनाव श्रीगंगानगर (वार्ड 16), सिरोही (18), राजसमंद (1), प्रतापगढ़ (13), झालावाड़ (5), डूंगरपुर (9 व 12), धौलपुर (9) और अलवर (29) वार्ड में होने थे। प्रधान पद के लिए बाड़मेर की कल्याणपुर और करौली की सपोटरा पंचायत समितियों में चुनाव तय था, वहीं बांसवाड़ा जिले की घाटोल पंचायत समिति में उपप्रधान का उपचुनाव प्रस्तावित था। इस फैसले से जहां प्रशासन को राहत मिली है, वहीं स्थानीय स्तर पर चुनाव की तैयारी कर रहे प्रत्याशियों और समर्थकों को फिलहाल इंतजार करना होगा। आयोग की ओर से नए शेड्यूल की घोषणा हालात सामान्य होने के बाद की जाएगी।

सक्षम जयपुर अभियान के तहत आपदा प्रबंधन जन जागरुकता का हुआ आयोजन

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सक्षम जयपुर अभियान के तहत जिले में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को जयपुर के निजी होटल में आपदा प्रबंधन जन जागरुकता कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुदेशकों ने आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान बचाव एवं उपायों की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया। उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा अमित शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण एवं युद्ध काल के दौरान बचाव के तरीकों से रूबरू करवाया गया। साथ ही ब्लैकआउट के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारियां दी गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान आपातकालीन बचाव पद्धतियों, सीपीआर,बेसिक फायर एवं फायर एक्सटिंग्विशर संचालन अभ्यास भी करवाया गया। अनुदेशक असरार अहमद ने बताया कि जयपुर सक्षम अभियान के तहत नागरिक सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में जिले के अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आमजन को हर आपात परिस्थिति में स्वयं एवं अन्य लोगों के बचाव के लिए बुनियादी प्रशिक्षण दिया जा रहा है साथ ही आपात स्थिति में क्या करें क्या ना करें गाइडलाइन की भी जानकारी प्रदान की जा रही है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का किया निरीक्षण

चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अधिकारियों ने आमजन को किया जागरुक, अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले के उपखंड अधिकारियों तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार शनिवार को फील्ड में उतरे एवं उपखंड के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने आमजन से संवाद किया एवं उन्होंने किसी भी आपात स्थिति के लिए सतर्क रहने, प्रशासन का सहयोग करने, गाइडलाइन की पालना करने एवं अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। साथ ही अधिकारियों ने क्षेत्र के चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केन्द्रों एवं ब्लड बैंकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग कर्मियों, रक्त, दवाओं, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता सहित अन्य अन्य आवश्यक इंतजामों का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद पुलिस अधिकारियों के साथ अधिकारियों ने स्थानीय व्यापार संघों, संगठनों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। साथ ही, अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक भी ली और क्षेत्र में कानून व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

शिशोदा में 15 करोड़ की लागत से बना अत्याधुनिक विद्यालय, शिक्षा मंत्री ने किया लोकार्पण, पीएमश्री योजना में होगा शामिल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को राजसमंद जिले के शिशोदा ग्राम में 15 करोड़ रुपये की लागत से मंगल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निर्मित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के भव्य भवन का लोकार्पण किया। यह विद्यालय स्व. श्रीमती कंकुबाई-सोहनलालजी धाकड़ की स्मृति में बनाया गया है। शिक्षा मंत्री ने विद्यालय का नाम "श्रीमती कंकुबाई-सोहनलालजी धाकड़ राउमावि शिशोदा" रखने की घोषणा की और इसे पीएमश्री योजना में शामिल करने की बात कही। दिलावर ने कहा कि यह भवन अब तक देखे गए सभी विद्यालय भवनों में सबसे भव्य है। यहाँ जीवविज्ञान, गणित और कृषि विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों की पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के विकास की भी व्यापक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार शिक्षा और विकास से जुड़ी सभी अपेक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि गौ माता के संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध जरूरी है। पॉलिथीन का उपयोग बंद कर हम गोवंश की रक्षा कर सकते हैं। इसके बाद दिलावर ने ग्राम शंकरपूरा (पीपरड़ा पंचायत) में 37.68 लाख रुपये की लागत से बने राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय का लोकार्पण भी किया। उन्होंने प्रदेश में शिक्षा के उत्थान के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि हर गाँव तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है। इस मौके पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्र सिंह, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ समेत कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सेना के साथ खड़ा भारत, सत्ता के लिए लड़ता पाकिस्तान

हाल के वर्षो में भारतीय राजनीति में जिस तरह से सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच हर मुद्दे पर तलवारें खींची नजर आती थी,उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह से दोनों धड़ों में एकजुटता देखने को मिल रही है,उससे देश की आम जनता काफी खुश है,वहीं पाकिस्तान में इसके उलट नजारा नजर आ रहा है। पड़ोसी मुल्क में विपक्ष लगातार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को कोसने और उन्हें नाकाबिल नेता साबित करने में लगा है। मोदी और शरीफ की तुलना शेर और सियार के रूप में की जा रही है।

बहरहाल,भारत के लिये यह सुखद है कि आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार के हर कदम पर विपक्ष बिना किसी शर्त के पूरी मजबूती से खड़ा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके जवाब में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरे राजनीतिक परिदृश्य में एक अद्भुत परिवर्तन देखा गया है। विपक्षी दलों ने इस बार न केवल सरकार का समर्थन किया बल्कि सेना के साहस और कार्रवाई की खुलकर सराहना की। इससे पहले उरी और पुलवामा हमलों के बाद जिस तरह से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे, और बीजेपी ने उन्हें राष्ट्र विरोधी खांचे में रखकर सियासी नुकसान पहुंचाया था, उस पृष्ठभूमि में यह बदलाव बेहद अहम है। यह न केवल राजनीति की परिपक्वता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि देश की सुरक्षा के मुद्दे पर भारत अब एक स्वर में बोल रहा है।

गौरतलब हो, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हमले ने न केवल आम जनता की भावनाओं को आहत किया, बल्कि विपक्षी दलों के लिए भी एक चुनौती खड़ी कर दी थी कि वे इस मुद्दे को किस रूप में लें। कांग्रेस और अन्य प्रमुख दलों ने बिना देर किए केंद्र सरकार को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की। इससे भी बड़ी बात यह थी कि उन्होंने सुरक्षा और खुफिया तंत्र की संभावित चूक का मुद्दा उठाने के बावजूद, इसे राजनीति का विषय नहीं बनने दिया। यह देश की एकता और संप्रभुता की रक्षा के लिए विपक्ष का एक परिपक्व और जिम्मेदार रवैया था।

भारतीय सेना ने इस हमले के जवाब में पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक और प्रभावशाली कार्रवाई की। सेना की इस जवाबी कार्रवाई को विपक्ष की ओर से न केवल समर्थन मिला बल्कि सराहना भी हुई। कोई सवाल नहीं, कोई प्रमाण की मांग नहीं, कोई राजनीतिक बयानबाजी नहीं बस एक सुर में सरकार और सेना के साथ खड़े रहने की भावना। 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' के नारों के साथ विपक्षी नेता भारतीय सेना के साथ नजर आए। यह एक ऐसी तस्वीर थी जो 2016 के उरी हमले या 2019 के पुलवामा हमले के बाद नजर नहीं आई थी।

उरी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी, तो कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने उस पर सवाल उठाए थे। बीजेपी ने इस मुद्दे को

संजय सक्सेना,वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रवाद बनाम राष्ट्र विरोधी के तौर पर पेश करके राजनीतिक लाभ उठाया था। ठीक ऐसा ही पुलवामा के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान हुआ था। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सबूत मांगे थे, जिसके चलते पार्टी को व्यापक आलोचना का सामना करना पड़ा था। राहुल गांधी ने भी सेना के शौर्य पर विश्वास जताने के साथ-साथ पीएम मोदी पर जवानों के बलिदान की राजनीति करने का आरोप लगाया था। इन बयानों से कांग्रेस को चुनावी मैदान में भारी नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन इस बार कहानी बदली हुई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस ने अपने राजनीतिक कार्यक्रमों को रोक दिया, पार्टी की सर्वोच्च नीति-निर्धारण संस्था कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक बुलाई गई और राहुल गांधी ने स्वयं सेना को समर्थन देने का ऐलान किया। प्रियंका गांधी वाड्रा के सुझाव पर कांग्रेस ने अपनी ष्संविधान बचाओष् रैली स्थगित कर दी, ताकि सेना के प्रति एकजुटता और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश स्पष्ट रूप से जाए। यहां तक कि कर्नाटक कांग्रेस ने भी अपनी उस सोशल मीडिया पोस्ट को हटा दिया, जिसमें शांति को सबसे बड़ा हथियार बताया गया था जो शायद मौजूदा माहौल में सेना के ऑपरेशन के संदर्भ में गलत संदेश दे सकती थी।

कांग्रेस के इस नए रुख के साथ ही अन्य विपक्षी दल भी उसी दिशा में नजर आए। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से बात करके अपनी पार्टी का पूरा समर्थन देने की घोषणा की। यूपीए सरकार में रक्षा मंत्री रहे ए के एंटनी, जो अक्सर मोदी सरकार के आलोचक रहे हैं, उन्होंने भी ऑपरेशन सिंदूर को 'एक मजबूत शुरुआत' बताया और सेना की निर्णायक कार्रवाई का समर्थन किया। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल, जो पहले सर्जिकल स्ट्राइक के बाद राहुल गांधी के शब्दों की आलोचना कर चुके थे, उन्होंने भी इस बार सेना के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरा देश एकजुट है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव ने भी ऑपरेशन सिंदूर की खुलकर सराहना की और जवानों को सलाम किया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, जो अक्सर मोदी सरकार के आलोचक रहते हैं, उन्होंने भी इस बार सरकार के सुर में सुर मिलाया और पाकिस्तान पर की गई कार्रवाई की प्रशंसा की। यहां तक कि वामपंथी दलों ने, जो आमतौर पर सैन्य कार्रवाई पर संयम बरतने की बात करते हैं, उन्होंने भी पहलगाम हमले के बाद सरकार और सेना के साथ खड़े होने की बात कही। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने भी माना कि इस बार भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

यह पूरा घटनाक्रम भारतीय राजनीति के लिए एक नई दिशा का संकेत है। यह दर्शाता है कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता के मुद्दे पर अब राजनीतिक दल न केवल एकजुट हैं, बल्कि अपने पुराने सियासी रवैये की भी समीक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस का यह नया रुख जहां उसे राष्ट्रवादी विमर्श में खुद को फिट करने में मदद करेगा, वहीं अन्य विपक्षी दलों के लिए भी यह संदेश है कि जनता अब केवल आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि एकजुटता और जिम्मेदारी की राजनीति देखना चाहती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ उसकी नीति न तो नरम है, न ही विभाजित। यह केवल केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम नहीं, बल्कि विपक्ष की परिपक्व भागीदारी का भी प्रतिबिंब है। अगर इस रुख को भविष्य में भी कायम रखा गया, तो यह न केवल देश की आंतरिक राजनीति को परिपक्व बनाएगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी भारत की छवि को और सुदृढ़ करेगा।

बात पाकिस्तान की कि जाये तो वहां सेना,सरकार और विपक्ष के बीच तलवारें खींची हुई हैं। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान की सैन्य और रणनीतिक स्थिति डगमगाई हुई है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान की सियासत भी बुरी तरह बिखर गई है। जब देश को एकजुट होकर संकट का सामना करना चाहिए, तब पाकिस्तानी नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री और विपक्ष के बीच बढ़ती खींचतान ने पूरे मुल्क को असमंजस में डाल दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने मौजूदा सरकार पर सेना के साथ मिलीभगत और गलत फैसलों का आरोप लगाया है, वहीं सरकार का कहना है कि इमरान खान जैसे नेता युद्ध के समय भी राष्ट्रविरोधी बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे। संसद में तीखी बहस के दौरान विपक्षी नेताओं ने सेना की विफलताओं पर सवाल खड़े किए, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि और कमजोर हुई। इस बीच, पाकिस्तानी सेना और सरकार के बीच भी समन्वय की कमी साफ नजर आ रही है। मीडिया में लीक हो रही जानकारियों के मुताबिक, कई रक्षा फैसलों पर सेना और सरकार की राय अलग-अलग रही है, जिससे फ्रंट पर रणनीतिक भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इससे देश के आम नागरिकों में असुरक्षा और निराशा का माहौल है। जानकार मानते हैं कि इस समय पाकिस्तान को सबसे बड़ा खतरा भारत से नहीं, बल्कि अपनी बिखरी हुई राजनीतिक नेतृत्व और कमजोर रणनीतिक सोच से है।

"संकट का व्यापारः महंगाई, मुनाफाखोरी और सरकारी चेतावनी"

जब भी किसी देश में संकट का साया मंडराता है, सबसे पहले आम जनता पर इसका असर पड़ता है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि संकट के दौर में महंगाई, कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देशभर में खाद्य पदार्थ, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कालाबाजारी की खबरें सुर्खियों में हैं। इन मुश्किल हालातों के बीच सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का ऐलान किया है। सवाल यह है कि क्या इन घोषणाओं से वास्तव में कोई फर्क पड़ेगा या फिर यह भी अन्य सरकारी वादों की तरह सिर्फ कागज़ी सख्ती बनकर रह जाएगी?

इतिहास गवाह है कि जब-जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है, तब-तब न केवल सीमावर्ती इलाकों में, बल्कि पूरे देश में खाद्य पदार्थों और ईंधन की किल्लत का माहौल पैदा हुआ है। यह समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है। राजनीतिक लाभ के लिए कई बार जमाखोरी और कालाबाजारी को न केवल नजरअंदाज किया जाता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित भी किया जाता है। सरकारें अक्सर महंगाई और किल्लत को 'राष्ट्रीय सुरक्षा' के नाम पर सही ठहराती रही हैं। यह एक प्रचलित नीति है कि संकट के समय लोगों का ध्यान भटकाने के लिए देशभक्ति की भावना को उभारा जाता है, लेकिन इसका खामियाजा आम नागरिक को भुगतना पड़ता है।

सरकार द्वारा जारी सख्त निर्देशों के बावजूद, जमीनी स्तर पर इनका क्रियान्वयन हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। आमतौर पर, प्रशासनिक अधिकारी इन्हें गंभीरता से नहीं लेते या फिर स्थानीय व्यापारियों और नेताओं के दबाव में आंखें मूंद लेते हैं। यह एक खुला राज है कि कालाबाजारी करने वाले अक्सर राजनीतिक संरक्षण में फलते-फूलते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सिर्फ आदेश जारी कर देने से समस्या का समाधान हो जाएगा? क्या प्रशासनिक मशीनरी अपने काम में पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य करेगी या फिर यह भी केवल फाइलों में बंद होकर रह जाएगा?

जब जमाखोरी होती है, तो इसका सबसे बुरा असर आम जनता पर पड़ता है। महंगाई आसमान छूने लगती है, जरूरी वस्तुएं बाजार से गायब हो जाती हैं, और लोगों को मजबूरी में अधिक कीमत

> राशन की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के दावे एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या ये आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे या जमीनी स्तर पर भी असर दिखाएंगे? इतिहास गवाह है कि संकट के समय महंगाई, जमाखोरी और भ्रष्टाचार बढ़ जाते हैं, और प्रशासनिक उदासीनता से हालात और बिगड़ते हैं। असली सुधार के लिए पारदर्शी वितरण, तकनीकी निगरानी और सख्त दंड जरूरी हैं, वरना यह भी महज एक खोखला नारा बनकर रह जाएगा।
>
> डॉ सत्यवान सौरभ

चुकानी पड़ती है। सरकारें राहत पैकेज और सस्ते राशन की योजनाएं तो बनाती हैं, लेकिन उनका लाभ ज़रूरतमंदों तक पहुंचना अक्सर एक चुनौती बन जाता है। इसके पीछे केवल भ्रष्टाचार ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को इसका सबसे अधिक खामियाजा उठाना पड़ता है।

सरकार ने साफ कर दिया है कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई होगी, लेकिन क्या यह वादा हकीकत में बदल पाएगा? क्या सरकारी तंत्र इस बार वाकई में सख्त रुख अपनाएगा या फिर यह भी अन्य सरकारी निर्देशों की तरह समय के साथ फीका पड़ जाएगा? वास्तविक सुधार तभी संभव है जब सरकार अपने सख्त निर्देशों को जमीनी हकीकत में बदलने के लिए ठोस कदम उठाए।

हर जिले में वस्तुओं की उपलब्धता और वितरण की पारदर्शी जानकारी दी जाए। इससे आम जनता को वस्तुओं की वास्तविक स्थिति का पता चल सके और अफवाहों का अंत हो।डिजिटल प्लेटफॉर्म और ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग कर स्टॉक और मूल्य में पारदर्शिता लाई जाए। तकनीकी साधनों का उपयोग करके जमाखोरी और कालाबाजारी की निगरानी करना आज के डिजिटल युग में आसान हो सकता है।

दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ सार्वजनिक रूप से नाम उजागर किया जाए ताकि लोग इस तरह की गतिविधियों से दूर रहें। जनता को इस लड़ाई में भागीदार बनाया जाए ताकि कालाबाजारी करने वालों की पहचान आसानी से हो सके। सामुदायिक सतर्कता समूहों का गठन किया जाए जो नियमित रूप से बाजार की स्थिति पर नजर रखें। संकट के समय गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को आर्थिक सहायता और सब्सिडी के माध्यम से राहत दी जाए।

सिर्फ घोषणाओं से समस्याएं खत्म नहीं होतीं, बल्कि ठोस और ईमानदार क्रियान्वयन से ही सुधार संभव है। अगर सरकार वास्तव में कालाबाजारी पर नकेल कसना चाहती है, तो उसे अपनी नीतियों और प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करना होगा। वरना, यह सख्ती भी महज एक 'खोखला नारा' बनकर रह जाएगी। जनता को भी सतर्क रहना होगा, ताकि कोई जमाखोर उनका हक न छीन सके।

केवल आदेश और घोषणाओं से समस्याएं समाप्त नहीं होतीं, बल्कि ठोस और ईमानदार क्रियान्वयन से ही सुधार संभव है। सरकार को यह समझना होगा कि महंगाई और कालाबाजारी का मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि एक नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है। जब तक प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और इच्छाशक्ति नहीं होगी, तब तक जमीनी सुधार की उम्मीद बेमानी है। सरकारी नीतियों का केवल कागजी सख्ती तक सीमित रह जाना न केवल जनता के साथ विश्वासघात है, बल्कि एक लोकतांत्रिक देश के मूल सिद्धांतों का भी अपमान है।

इसके अलावा, आम जनता को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों की पहचान में सहयोग करना, जरूरतमंदों की मदद करना और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना समय की मांग है। सिर्फ आलोचना से समस्या का हल नहीं होगा, बल्कि सामूहिक प्रयास से ही एक स्वस्थ और समतामूलक समाज का निर्माण हो सकता है। वरना यह सख्ती भी महज एक 'खोखला नारा' बनकर रह जाएगी, और आम आदमी का संघर्ष कभी खत्म नहीं होगा।

पाकिस्तान की हर कमजोरी पर हो प्रहार, बदहाल आर्थिकी पर शिकंजा कसे भारत

डॉ. ब्रजेश कुमार तिवारी। भारत ने 'आपरेशन सिंदूर' के तहत जब से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की है, तब से पाकिस्तान के शेयर बाजार में भी हाहाकार की स्थिति है। भारत पाकिस्तान को हर मोर्चे पर मात देने की रणनीति बना रहा है। भारत को आतंक के विरुद्ध युद्ध में एक स्थायी और सुरक्षित रास्ता चुनना होगा। हमेशा दुश्मन की कमजोर नस पर वार करना चाहिए।

पाकिस्तान की असली कमजोरी उसकी अर्थव्यवस्था है। उसके ऐसे सभी स्रोतों पर भारत को प्रहार करना चाहिए से, जहां से उसे तनिक भी विदेशी मुद्रा मिलती है। जैसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पाकिस्तान से आपसी मैच न खेलकर और चैंपियंस ट्राफी में वहां न जाकर उसे आर्थिक रूप से तगड़ी चोट पहुंचाई, वैसे ही तमाम जतन भारत सरकार को भी करने चाहिए। एक साथ आजाद हुए दोनों देशों के बीच आज बहुत बड़ा अंतर है।

अर्थव्यवस्था के सभी पैमानों पर भारत पाकिस्तान से मीलों आगे है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के मुताबिक दुनिया का पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद पाकिस्तान अर्थव्यवस्था के आकार में 41वें स्थान पर है। भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश है तो इकोनमी के आकार में जल्द ही जर्मनी को पछाड़कर तीसरे स्थान पर आ सकता है, जबकि बदहाल आर्थिकी वाला पाकिस्तान आतंक का अड्डा बना हुआ है।

विश्व बैंक के 2024 के आंकड़े को देखें तो भारत की जीडीपी 3.88 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर के करीब है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था (0.37 ट्रिलियन डालर) के आकार से दस गुना अधिक है। भारत के पास 677 अरब डालर का विदेशी मुद्रा भंडार है, जबकि पाकिस्तान के पास मात्र 15.5 अरब डालर है और उसमें भी एक हिस्सा उधार का है। पाकिस्तान में नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो रेट अभी 12 प्रतिशत है। एक डालर की कीमत 280 पाकिस्तानी रुपये के बराबर है। विश्व बैंक ने करीब दो साल पहले पाकिस्तान को दक्षिण एशिया की सबसे कमजोर इकोनमी बताया था। पाकिस्तान का कुल कर्ज बढ़कर करीब 70.36 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये हो चुका है। यानी हर पाकिस्तानी पर औसतन 2.34 लाख पाकिस्तानी रुपये का कर्ज है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसी फिच रेटिंग्स

के मुताबिक, पाकिस्तान को वित्त वर्ष 2024-25 में 2,200 करोड़ डालर से ज्यादा का बाहरी कर्ज चुकाना है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस समय लगभग पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के भरोसे चल रही है। पाकिस्तान आइएमएफ का पांचवां सबसे बड़ा कर्जदार है। चीन का निर्यात-आयात (एक्जिम) बैंक उसे अतिरिक्त रियायती ऋण देने में हिचकिचा रहा है। अब आइएमएफ से कर्ज की अगली किस्त मिलेगी या नहीं, इस पर भी अनिश्चितता है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की बैठक में अगर पाकिस्तान 'ग्रे लिस्ट' में जाता है तो वह पाई-पाई को मोहताज हो जाएगा।

पाकिस्तान के साथ सभी तरह के कारोबारी रिश्तों को खत्म कर देना उसकी बर्बादी का पहला चरण है। अब भारत को पाकिस्तान के लिए अन्य देशों के साथ भी व्यापार करना बेहद महंगा बना देना चाहिए। भारतीय बंदरगाह पाकिस्तान के सीमित वैश्विक व्यापार मार्गों के लिए बहुत जरूरी लाजिस्टिक कड़ी रहे हैं। भारत ने अपने बंदरगाहों पर पाकिस्तानी जहाजों पर पूर्ण रोक लगाने की शुरुआत कर दी है। पाकिस्तानी जहाज पहले ट्रांस-शिपमेंट, ईंधन भरने और मरम्मत के लिए भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर थे। इन सेवाओं के इन्कार से उसे अब ओमान या संयुक्त अरब अमीरात के माध्यम से लंबे और महंगे पड़ने वाले मार्गों को अपनाने पर मजबूर होना पड़ेगा।

पाकिस्तान के साथ समस्त व्यापार बंद होने से भारत की अर्थव्यवस्था पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि भारत के कुल वैश्विक व्यापार में पाकिस्तान की हिस्सेदारी 0.06 प्रतिशत से भी कम है और भारतीय व्यापारी अपना यह माल अन्य देशों में आसानी से बेच सकते हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, करीब 10 अरब डालर मूल्य के भारतीय सामान हर साल सिंगापुर, दुबई और कोलंबो के बंदरगाहों के माध्यम से पाकिस्तान पहुंचते थे। ऐसा कतई न हो, यह सुनिश्चित करना होगा।

उत्पादों और सेवाओं के मामले में भारत आज दुनिया के शीर्ष पांच बाजारों में से एक है। यह एशिया की सबसे ज्यादा खुली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जो उद्योग के अधिकांश क्षेत्रों में 100 प्रतिशत तक एफडीआइ की अनुमति देता है। नतीजतन सुई से लेकर हवाई जहाज तक के लिए आज भारत विश्व के सबसे बड़े बाजारों में से एक है। पाकिस्तान के 60 प्रतिशत से अधिक निर्यात में कपड़ा और संबंधित उत्पाद शामिल हैं, जो मुख्य रूप से अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, नीदरलैंड, स्पेन और इटली को भेजे जाते हैं। आज भारत के इन सभी देशों से अच्छे संबंध हैं। इसलिए भारत को तत्काल कपड़ा निर्यात की दिशा में काम करना होगा, क्योंकि इस क्षेत्र में वह पाकिस्तान का अच्छा विकल्प भारत आसानी से बन सकता है। ऐसे समय 'मेक इन इंडिया' की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। अब समय आ गया है कि भारत 'मेक इन इंडिया' की उन बाधाओं को दूर करे, जिससे भारत विश्व निर्यात में अपनी भूमिका बढ़ा सके और पाकिस्तान की आर्थिकी की कमर कस कर तोड़ सके।

अपने ही गड्ढे में गिरी पाकिस्तानी सेना, मुंह पर कालिख पोतने जैसी हरकत

दिव्य कुमार सोती। भारतीय सेनाओं ने 1971 के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिये सीमा पार सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई में गुलाम जम्मू-कश्मीर और साथ ही पाकिस्तान के भीतर नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। इनमें लश्कर-ए-तैयबा का मुरीदके और जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर मुख्यालय भी शामिल है।

इस हमले से भारत ने मात्र पहलगाम ही नहीं, अपितु अतीत हुए कई आतंकी हमलों का बदला एक साथ ले लिया। जैश कमांडर रऊफ अजहर, जो कंधार विमान अपहरण कांड, संसद पर हमले और अमेरिकी-यहूदी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या में शामिल था, के परिवार के कई सदस्य बहावलपुर में जैश के मुख्यालय पर हुई बमबारी में मारे गए। आतंकी मौलाना मसूद अजहर के परिवार के भी तमाम सदस्य इन हमलों में ढेर हो गए। भारतीय सेनाओं ने लश्कर का वह कैंप भी उड़ा दिया, जिसमें मुंबई आतंकी हमले के लिए अजमल कसाब को प्रशिक्षण मिला था।

वैसे तो पाकिस्तान छाती पीट रहा है कि भारत की सैन्य कार्रवाई में आम नागरिक भी मारे गए, परंतु वह यह नहीं बता पा रहा है कि ये कथित आम लोग रात डेढ़ बजे इन आतंकी कैंपों में क्या कर रहे थे? यह याद रहे कि पाकिस्तानी आतंकी हमेशा महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाते आए हैं, फिर चाहे 2002 में कालूचक में सेना के आवासीय क्वार्टरों पर हमला कर दस बच्चों और आठ महिलाओं की निर्ममतापूर्वक हत्या करना हो या फिर वंधावा आतंकी हमले में कश्मीरी हिंदू बच्चों को उनके माता-पिता के सामने गोली मारने जैसे पाशविक कृत्य रहे हों। भारत ने दशकों तक इन अत्याचारों को सहते हुए संयम बरता, परंतु अब जब हिसाब करने की ठानी तो एक झटके में इन पुरानी घटनाओं का भी बदला ले लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद यह जो कहा था कि भारत इस हमले को अंजाम देने वालों और उसकी साजिश रचने वालों को धरती के अंतिम छोर तक खोजकर सजा देगा, वह उन्होंने कर दिखाया। आतंकियों के साथ उनके परिवार वालों के मारे जाने से पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश गया कि भारत दशकों पुराने आतंकी कृत्यों को भी भूलता नहीं और समय आने पर बदला अवश्य लेता है। अब इस अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई के बाद क्या?

पाकिस्तानी फौज गुलाम कश्मीर में तो भारतीय सैन्य कार्रवाई को बर्दाश्त कर भी ले, परंतु पाकिस्तानी पंजाब के अंदर सैन्य कार्रवाई उसके मुख पर कालिख पोतने जैसी है। पाकिस्तानी व्यवस्था में पंजाब पाकिस्तान का मर्म और फौज का गढ़ है। पाकिस्तान में सेना और उसके पंजाबी गढ़ को वही दर्जा प्राप्त है, जो मधुमक्खी के छत्ते में रानी मक्खी और उसके चैंबर का होता है।

द्विराष्ट्रवाद के सिद्धांत के बहाने सांप्रदायिक जहर उगलकर पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने पहलगाम में जिहादी हिंसा का नंगा नाच तो करा दिया, परंतु अब अपने ही बुने जाल में खुद फंस गए। उन्होंने सोचा था कि पिछली बार की तरह भारत जंगल में स्थित किसी ऐसे आतंकी ठिकाने पर हमला करेगा, जहां तक मीडिया के कैमरे नहीं पहुंच सकते और जहां वह हफ्तों बाद मीडिया का दौरा करा कर कह देंगे कि भारतीय हमला विफल रहा।

मुनीर ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय सीमा से सैकड़ों किमी दूर पंजाब स्थित बहावलपुर के बीचोबीच जैश के आतंकी मुख्यालय पर मिसाइलें दाग सकता है। पाकिस्तानी फौज की बची-खुची इज्जत बचाने के लिए मुनीर के पास भारत के विरुद्ध किसी कार्रवाई के दिखावे के अलावा कोई चारा नहीं। यह भी बहुत जोखिम भरा है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने स्पष्ट किया है कि उसने संयम बरतते हुए पाकिस्तान के किसी सैन्य अथवा नागरिक ठिकाने को निशाना नहीं बनाया।

पाकिस्तानी सेना के सामने दिक्कत यह है कि भारत में कोई आतंकी ठिकाना नहीं है, जिसे निशाना बनाकर वह जवाबी कार्रवाई का नैतिक आधार बना सके। तब यही आशंका है कि वह भारतीय सैन्य ठिकानों या निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाए। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने हमारे सीमावर्ती गांवों में आम लोगों को निशाना बनाया भी है। बालाकोट हमले के बाद भी पाकिस्तानी सेना ने भारत के एक ब्रिगेड हेडक्वार्टर पर बमबारी का असफल प्रयास किया था।

यदि ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तानी फौज कोई उकसाने वाला अनैतिक कदम उठाती है तो भारत को मौके का लाभ उठाकर जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ के रास्तों और खासकर हाजी पीर दर्रे को अपने नियंत्रण में ले लेना चाहिए। अगर पाकिस्तान फिर से कोई आतंकी कार्रवाई कराता है तो भारत आइएसआइ अफसरों को वैसे ही निशाना बना सकता है, जैसे अमेरिका ने ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी को बनाया था। यदि पाकिस्तानी सेना सैन्य तनाव बढ़ाती है तो भारत को उसकी युद्धक क्षमता कुंद कर देनी चाहिए।

इसका लाभ हमें चीन के मोर्चे पर भी मिलेगा, क्योंकि वह दशकों से पाकिस्तान की ढाल बना हुआ है। इससे पाकिस्तान के पास मौजूद चीनी लड़ाकू विमानों और अन्य हथियारों की सही क्षमता का आकलन भी विश्व को होगा। इससे चीनी गुब्बारे की हवा निकल सकती है। चीन पाकिस्तान के जोखिम को समझ रहा है

जयपुर, रविवार
11 मई, 2025

कुचामन शहर की शख्सियत :

श्याम सुंदर मंत्री ने कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता से तय किया कामयाबी का सफर

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी एसी ही शख्सियत से आज हम आपको रूबरू करा रहे हैं। ये वो संघर्षशील, कर्मवीर, सेवाभावी शख्शियत हैं, जिन्होने अपने दृढ विश्वास, कड़ी मेहनत और सच्ची लगन से फर्श से अर्श को छूने के सपने को हकीकत में बदला है। हम बात कर रहे हैं, कुचामन सिटी के सफल व्यवसायी,कुशल उद्यमी, हमेशा क्षेत्र और समाज की सेवा का जज्बा रखने वाले समाजसेवी और राष्ट्रवादी व्यक्तित्व श्याम सुंदर मंत्री की । आज हम आपको बताएंगे की कैसे एक साधारण से परिवार से ताल्लुक रखने वाला युवक अपनी जिद और मेहनत के दम पर कामयाब शख्सियत बना जो आज के युवाओं के लिए आदर्श माना जा सकता है ।

कुचामन के करीबी गांव हरिपुरा में साधारण माहेश्वरी परिवार में स्व. रामेश्वरी देवी एवं स्व. कल्याणचन्द मंत्री के पुत्र के रूप में श्याम सुंदर मंत्री ने जन्म लिया । आपका बचपन साधारण परिवारों के आम बच्चो की तरह ही बीता। पिता कल्याणचंद सरकारी सेवा में थे , और राजकीय सेवा में होने के चलते, मंत्री परिवार गांव छोड़कर कुछ समय नावां, जायल, जोधपुर आदि स्थानों पर साथ साथ रहने के बाद कुचामन के नया शहर स्थित घर में रहने के लिए आ गया ताकि पिता के राजकीय सेवा के चलते बच्चो की पढ़ाई में व्यवधान ना पड़े । श्याम सुंदर मंत्री का बाल्यकाल सेवा की प्रतिमूर्ति, धर्म परायण और हमेशा इंसानियत को तरजीह देने वाली माता रामेश्वरी की छत्र छाया में बीता, इस वजह से श्याम सुंदर मंत्री के दिल में भी बचपन से ही सेवा और दया के संस्कारो के बीज अंकुरित होने लगे। वक्त गुजरता गया और सामान्य परिस्थितियो में ही श्याम सुंदर मंत्री की बी. कॉम तक की पढाई पूरी हो गई । हालात के मद्देनजर पिताजी पर चार भाई- बहनो की परवरिश और शादियो की जिम्मेदारी में साथ देने की भावना से व्यापार करने का मन हुआ । कहते है ना की, जहां चाह होती है वहाँ राह होती है, जब कुछ कर गुजरने करने का इरादा हो तो, भगवान भी आपका साथ देते है । इसी जज्बे के साथ युवा हो चुके श्याम सुंदर मंत्री ने किराणा, अनाज, साबुन, टॉफ़ी, मनियारी सामान, मसाला आदि सप्लाई के अनैक तरह के व्यापार शुरू करके सफलता के प्रयास किये । लेकिन ये वो काम नही थे, जिनके जरिए ईश्वर ने आपकी किस्मत में कामयाबी लिखी थी । इस वक्त श्याम सुंदर मंत्री की उम्र 21 साल की हो चुकी थी ,और दिल कुछ ऐसा करने को हिलोरें मार रहा था, जो ना सिर्फ दिल को सुकून दे बल्कि परिवार को भी मददगार साबित हो सके । इस दौर में किस्मत आपको मार्बल सिटी मकराना की तरफ खींच कर ले गई और आपने मार्बल व्यवसाय से जुड़ने की योजना बनाई। लेकिन हालात के मुताबिक बिना

> **उड़ान**
> **भरने के लिए जिनके हौसले बुलन्द होते है उनके लिये आसमान भी छोटा पड़**

पारिवारिक पृष्ठभूमि, बिना पूंजी, बिना साख और बिना किसी मार्गदर्शन के मार्बल का व्यापार करना आसान नही था । उस वक्त हिम्मत ना हारते हुए श्याम सुंदर मंत्री ने मार्बल व्यवसाय में एक छोटी सी शुरुआत बड़े हौंसले और ईश्वर में असीम विश्वास के साथ की । अगले पांच साल श्याम सुंदर मंत्री ने दिन में काम किया और रात में व्यवसाय को आगे बढ़ाने की योजनाएं बनाई, व्यापार को बढ़ाने के सपने देखे । यही वजह रही की कड़ी मेहनत और कुशल व्यापार प्रबंधन के चलते मार्बल का व्यवसाय परवान चढ़ने लगा । जैसे जैसे समय बीतता गया, श्याम सुंदर मंत्री ने भी सफलता की सिढ़ियों पर आगे बढ़ने की इच्छा जारी रखी और वक्त के साथ अपने व्यापार को भी आगे बढ़ाते गए । दूर की सोच और गहरी व्यापारिक सूझ बूझ वाले व्यक्तित्व श्याम सुंदर मंत्री ने ना सिर्फ अपने आपको मार्बल व्यवसाय में स्थापित किया बल्कि परिवारजनों, मित्रो और परिचितों को भी समय समय पर भारत के अलग अलग स्थानो पर व्यापारिक केन्द्र स्थापित कराकर अपने व्यवसाय की दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति की। हर सफलता को सर्वशक्तिमान ईश्वर का आशीर्वाद मानने वाले श्याम सुंदर मंत्री का हर फैसला उस दौर में सही साबित होता रहा और अगले कुछ वर्षों में श्याम सुंदर मंत्री ,खुद का विशाल नेटवर्क बनाने और मार्बल जगत में एक प्रतिष्ठित पहचान बनाने मे कामयाब हुए । व्यापार को आगे बढ़ाने के दौरान श्याम सुंदर मंत्री पारिवारिक जिम्मेदारियों को कभी नही भूले और उन्हें भी आपने बखूबी अंजाम दिया । अस्सी का दशक चल रहा था ,और उस वक्त आपको कुचामन विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष स्व. बालकृष्ण सारडा का सानिध्य मिला । यहीं से श्याम सुंदर मंत्री के जीवन का एक नया अध्याय शुरू हुआ । क्षेत्र के कुशल उद्यमी श्याम सुंदर मंत्री सामाजिक संस्था कुचामन विकास समिति से जुड़कर समाजसेवा और कुचामन के विकास के क्षेत्र में सक्रिय हुए और आज भी विकास कार्यों में आप 45 वर्षों से लगातार सक्रिय है ।

अब आया साल 1984, जिसमे श्याम सुंदर मंत्री अपने मार्गदर्शक लॉयन सोहनलाल खालड़का की प्रेरणा से वैश्विक समाजिक संस्था लायंस क्लब से जुड़े । आपने लायंस क्लब से जुड़कर कई नवाचार भी इस दौर में किए और अंधता निवारण व अन्य क्षैत्रो में सेवा के कार्यों में लायंस क्लब की तत्कालीन टीम के साथ जुड़कर सीमित संसाधनों के बावजूद नये आयाम स्थापित किए । इसी के समानांतर आप व्यवसाय में भी नए प्रयोग करते हुए व्यापार को निरन्तर बढ़ाते रहे लायंस क्लब में श्याम सुंदर मंत्री ने अनैक पदो पर अपनी अदभुत सेवा एवं नैतृत्व गुणो के कारण पूरे प्रांत में लोकप्रियता हासिल की । वर्तमान में लायंस प्रान्त 3233ई2 में आपको 2024-25 के लिये प्रांत के शीर्ष नैतृत्व के रूप में चुनकर प्रांतपाल पद के दायित्व निवर्हन करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है।

5250 सदस्यों के लॉयन्स प्रान्त 3233ई2 का नेतृत्व मिलने के बाद अपनी माँ से बचपन में सीखे हुए संस्कार, गौसेवा, भारतीय रीति रिवाज एवं परम्पराएँ, संस्कार सप्ताह मनाने के कार्यक्रम, मातृ पितृ चरण वंदन के सेंकड़ो स्कुलों में कार्यक्रम, भारतीय संस्कृति वैज्ञानिकता से परिपूर्ण है का जन जागरण और बेटी का विवाह समय से और आगे की पढ़ाई ससुराल में आदि कार्यों को मूर्त रूप देने का कार्य किया ।

इसके साथ ही लॉयन्स ईन्टरनेशनल का नैतिक शिक्षा से सम्बंधित कार्यक्रम लायन्स क्रेस्ट के पाँच वर्क सोप द्वारा 150 टीचर को ट्रेंड किया जो 5500 छात्र छात्राओं के देश, समाज और परिवार के साथ रहने की नैतिक शिक्षा दे रहे हैं ।

सेवा कार्यों में युवाओं की भागीदारी के उद्देश्य से 12 नये लियो क्लब खोलकर 500 लियो सदस्यों को जोड़ने का भागीरथी कार्य किया ! प्रान्त के सभी क्लब सेवा एवं संस्कार की भावना से निरन्तर कार्य कर रहे है । प्रान्तीय टीम के सहयोग से हर कार्य माईलस्टोन बनते जा रहे हैं । प्रान्त में इस बार भातृत्व भाव के साथ संस्कार के कार्य हो रहे हैं ।

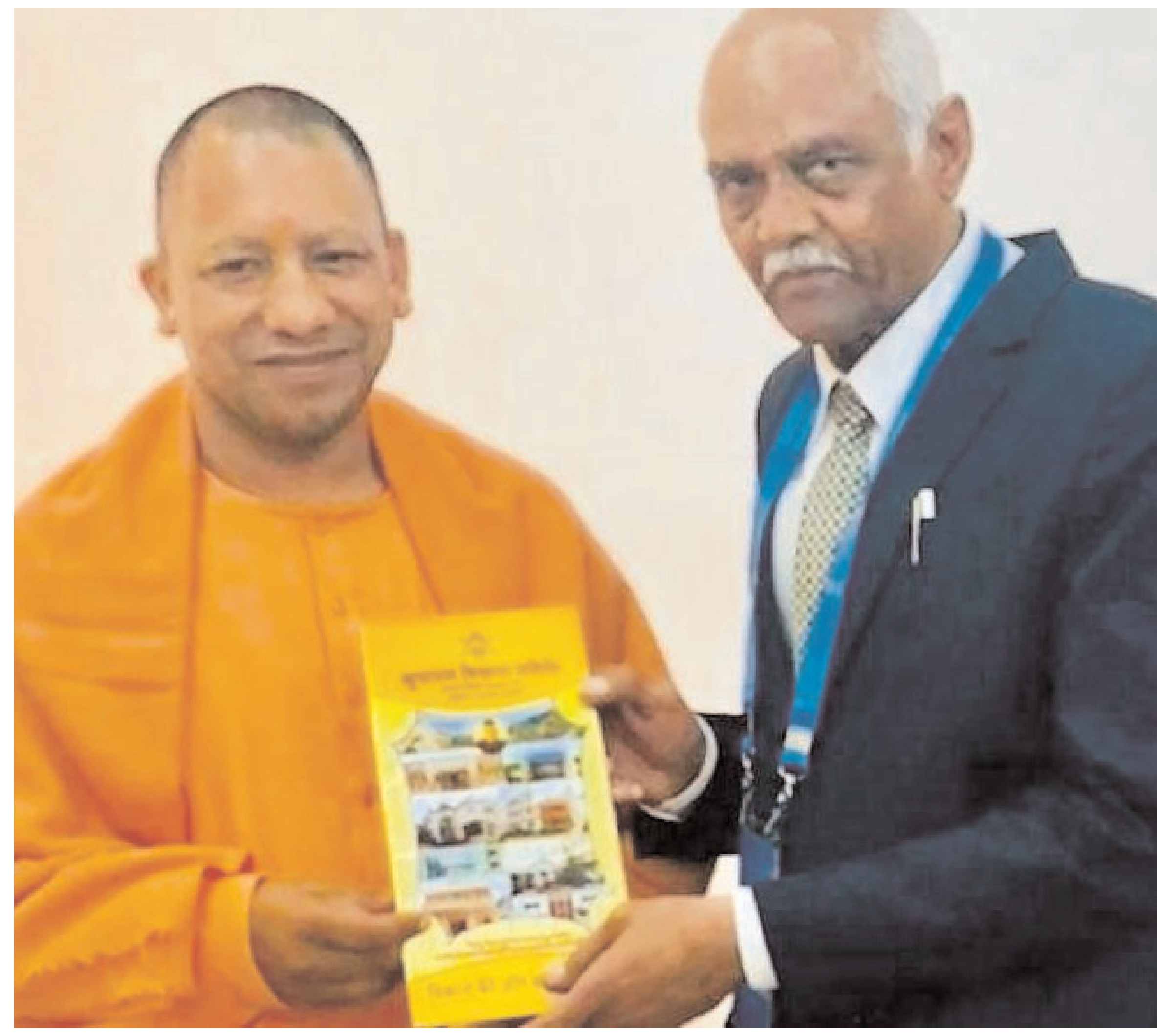

5250 सदस्यों के लॉयन्स प्रान्त 3233ई2 का नेतृत्व मिलने के बाद अपनी माँ से बचपन में सीखे हुए संस्कार, गौसेवा, भारतीय रीति रिवाज एवं परम्पराएँ, संस्कार सप्ताह मनाने के कार्यक्रम, मातृ पितृ चरण वंदन के सेंकड़ो स्कुलों में कार्यक्रम, भारतीय संस्कृति वैज्ञानिकता से परिपूर्ण है का जन जागरण और बेटी का विवाह समय से और आगे की पढ़ाई ससुराल में आदि कार्यों को मूर्त रूप देने का कार्य किया ।

इसके साथ ही लॉयन्स ईन्टरनेशनल का नैतिक शिक्षा से सम्बंधित कार्यक्रम लायन्स क्वेस्ट के पाँच वर्क सोप द्वारा 150 टीचर को ट्रेंड किया जो 5500 छात्र छात्राओं के देश, समाज और परिवार के साथ रहने की नैतिक शिक्षा दे रहे हैं ।

सेवा कार्यों में युवाओं की भागीदारी के उद्देश्य से 12 नये लियो क्लब खोलकर 500 लियो सदस्यों को जोड़ने का भागीरथी कार्य किया ! प्रान्त के सभी क्लब सेवा एवं संस्कार की भावना से निरन्तर कार्य कर रहे है । प्रान्तीय टीम के सहयोग से हर कार्य माईलस्टोन बनते जा रहे हैं । प्रान्त में इस बार भातृत्व भाव के साथ संस्कार के कार्य हो रहे हैं ।

इसके साथ ही लॉयन्स ईन्टरनेशनल का नैतिक शिक्षा से सम्बंधित कार्यक्रम लायन्स क्वेस्ट के पाँच वर्क सोप द्वारा 150 टीचर को ट्रेंड किया जो 5500 छात्र छात्राओं के देश, समाज और परिवार के साथ रहने की नैतिक शिक्षा दे रहे हैं ।

सेवा कार्यों में युवाओं की भागीदारी के उद्देश्य से 12 नये लियो क्लब खोलकर 500 लियो सदस्यों को जोड़ने का भागीरथी कार्य किया ! प्रान्त के सभी क्लब सेवा एवं संस्कार की भावना से निरन्तर कार्य कर रहे है । प्रान्तीय टीम के सहयोग से हर कार्य माईलस्टोन बनते जा रहे हैं । प्रान्त में इस बार भातृत्व भाव के साथ भारतीय संस्कृति की महीमा के साथ संस्कार के कार्य हो रहे हैं। प्राकृतिक आपदाओं के प्रति शुरू से ही संवेदनशील व्यक्ति श्याम सुन्दर मंत्री ने सुनामी , भूकंप, बाढ़ , कोरोना एवं अन्य महामारी में हमेशा स्वयं ने व्यक्तिगत रूप से कार्य किया एवं सहयोग दिया ।

गोदरेज फाउंडेशन ने अन्य संगठनों के साथ मिल कर लॉन्च किया ग्लोबल एक्सेस टू टैलेंट फ्रॉम इंडिया (गति) फाउंडेशन

गति फाउंडेशन का लक्ष्य द कन्वर्जेंस फाउंडेशन और मनीष सभरवाल के साथ मिलकर, भारत को वैश्विक प्रतिभा केंद्र बनाना है

नई दिल्ली ग्लोबल एक्सेस टू टैलेंट फ्रॉम इंडिया (गति) फाउंडेशन को भारत के माननीय विदेश मंत्री, श्री डॉ. एस. जयशंकर की उपस्थिति में लॉन्च किया गया। माननीय विदेश मंत्री, इस आयोजन के मुख्य अतिथि थे। साथ ही, माननीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री, श्री जयंत चौधरी इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कन्वर्जेंस फाउंडेशन, मनीष सभरवाल और गोदरेज फाउंडेशन के गठजोड़ से तैयार गति, एक गैर-लाभकारी फाउंडेशन है और यह वैश्विक प्रतिभा गतिशीलता के लिए व्यवस्थित, नैतिक और सर्कुलर मार्ग बनाने के लिए समर्पित है।

यह पहल, इस अनुमान के मद्देनज़र बेहद महत्वपूर्ण है कि उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाओं को 2030 तक 45-50 मिलियन (4.5-5 करोड़) कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ेगा। कुशल प्रतिभा के लिए भारत को वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दृष्टि से, गति फाउंडेशन का लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय श्रम बाज़ारों में भारतीय श्रमिकों के लिए अवसरों को खोलने के लिए सरकारों, व्यवसायों और गैर-लाभकारी संगठनों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना।

इस लॉन्च कार्यक्रम में विदेशी राजदूत, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, अग्रणी उद्योग प्रतिनिधि और थिंक टैंक शामिल हुए और विभिन्न देशों की सरकारों के बीच साझेदारी, नैतिक भर्ती प्रथाओं और वैश्विक कौशल गतिशीलता के लिए उद्योग-नेतृत्व वाले समाधानों जैसे प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श किया।

गोदरेज फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी, उमर मोमिन ने कहा, "ऐसे दौर में जब लोग विदेश जाकर 10 गुना अधिक कमा सकते हैं, तो वैश्विक श्रम गतिशीलता को बढ़ावा देना सिर्फ स्मार्ट अर्थशास्त्र नहीं है - यह परिवर्तनकारी विकास है। उच्च आय वाले देशों में 2030 तक लगभग 50 मिलियन (5 करोड़) श्रमिकों की कमी होगी, गति नैतिक, सर्कुलर और अच्छी तरह से विनियमित प्रवास मार्गों का निर्माण करने पर विचार कर सकता है जो तीन गुना लाभ प्रदान करते हों जैसे, कौशल की कमी पूरी करना, देश में समृद्धि को बढ़ावा देना और लोगों के लिए अवसर का सम्मानजनक मार्ग प्रदान करना।"

कन्वर्जेंस फाउंडेशन के संस्थापक-मुख्य कार्यकारी, आशीष धवन ने कहा, "आज, लगभग 700,000 भारतीय हर साल काम करने के लिए विदेश जाते हैं। हालांकि, इस कार्यबल का 60% जीसीसी देशों तक सीमित है। हमारे पास भौगोलिक क्षेत्रों और रोज़गार के अवसरों में विविधता लाकर अपने वार्षिक प्रवासी प्रवाह को सही मायने में बढ़ाकर 2-2.5 मिलियन (2-2.5 करोड़) तक करने का अवसर है। ऐसा करने से न केवल अधिक रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं, बल्कि हमें अपने रेमिटेंस को भी बढ़ाकर 300 अरब तक करने में मदद मिलेगी। रेमिटेंस सीधे घरों बाहर जाता है - उपभोग, शिक्षा और स्वास्थ्य खर्च को बढ़ाता है - इसलिए इससे गरीबी कम करने में भी मदद मिलती है।"

टीमलीज सर्विसेज के उपाध्यक्ष, मनीष सभरवाल ने कहा, "गति जैसे विचार का दौर भारत में आ गया है। बहुत सी बातें हो रही हैं, लेकिन यदि अर्थशास्त्र अवैध प्रवास (माइग्रेशन) से कानूनी प्रवास और प्रवास से गतिशीलता और काम करने की नागरिकता पर बहस को आगे बढ़ाने में सक्षम है, तो यह राजनीति को मात देगा। यह धारणा कि अमीर देश मुद्रास्फीति से बच सकते हैं या प्रवास के बिना देखभाल के काम (केयर वर्क) से जुड़ी चुनौती से निपट सकते हैं तो यह असंभव है। प्रवास को व्यवस्थित, अस्थायी और सुरक्षित बनाना विभिन्न देशों के लिए बड़ी चुनौती है। गति फाउंडेशन का मानना है कि अच्छी तरह तैयार अतिथि कर्मी (गेस्ट वर्कर) कार्यक्रम का अगले दो दशक में वैश्विक समृद्धि उल्लेखनीय योगदान होगा।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। बैंक का वैश्विक कारोबार 31 मार्च 2025 तक 27 लाख करोड़ रुपये के मील स्तंभ को पार कर चुका है। वित्त वर्ष 2025 में स्टैंडअलोन निवल लाभ बढ़कर 19,581 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, इसमें वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 10.1% की वृद्धि दर्ज की गई। समेकित इकाई का निवल लाभ 20,000 करोड़ रुपये के मील स्तंभ को पार करते हुए वित्त वर्ष 25 के लिए 20,716 करोड़ रुपये रहा। गैर-ब्याज आय में 14.8% वर्ष-दर-वर्ष आधार पर वृद्धि के फलस्वरूप बैंक की लाभप्रदता में वृद्धि हुई है, जो कि वित्त वर्ष'25 के लिए 16,647 करोड़ रुपये रही। परिचालनगत लाभ में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 4.7% की वृद्धि दर्ज की गई और यह वित्त वर्ष'25 में 32,435 करोड़ रुपये रहा।

आस्तियों पर प्रतिलाभ 1% से ऊपर बना हुआ है और वित्त वर्ष 25 के लिए 1.16% पर रहा। वित्त वर्ष'25 के लिए इक्विटी पर प्रतिलाभ 16.96% रहा है। वित्त वर्ष'25 के लिए वैश्विक निवल ब्याज मार्जिन 3.02%, जबकि घरेलू एनआईएम 3.18% रहा। बैंक ने सुदृढ़ आस्ति गुणवत्ता बनाए रखी है, बैंक का सकल एनपीए वित्त वर्ष'24 के 2.92% की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 66 बीपीएस घटकर वित्त वर्ष'25 में 2.26% रहा। वहीं निवल एनपीए भी वित्त वर्ष'25 में 10 बीपीएस की कमी के साथ 0.58% हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह 0.68% था। यह पिछले 13 वर्षों में सबसे कम सकल और निवल एनपीए स्तर है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से रत्न एवं आभूषण निर्यात बढ़कर दो वर्षों में 2.5 अरब डॉलर तथा द्विपक्षीय व्यापार 7 अरब डॉलर तक पहुंचेगा- जीजेईपीसी

राष्ट्रीय भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को गहराई और मजबूती प्रदान करेगा। भारत के रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के लिए यह समझौता एक गेम-चेंजर साबित होगा, जो विकास, निवेश और रोजगार सृजन की अपार संभावनाओं के द्वार खोलेगा। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय कारीगरी को वैश्विक स्तर पर सराहना मिल रही है और जिम्मेदार तरीके से प्राप्त, सुंदर ढंग से डिज़ाइन किए गए आभूषणों की मांग यूके जैसे विकसित बाजारों में बढ़ रही है।

जीजेईपीसी के चेयरमैन श्री कीरिट भंसाली ने कहा, "वर्ष 2024 में भारत से ब्रिटेन को रत्न और आभूषण निर्यात 941 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें से 400 मिलियन डॉलर केवल आभूषणों के थे, जबकि ब्रिटेन से आयात 2.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे इस क्षेत्र में कुल द्विपक्षीय व्यापार 3.6 अरब डॉलर हो गया। एफटीए के कार्यान्वयन – विशेष रूप से ब्रिटेन में आभूषणों पर आयात शुल्क में छूट – के साथ, अगले दो वर्षों में भारत के आभूषण निर्यात के 1 अरब डॉलर और कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात के 2.5 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना होकर 7 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।"

श्री भानसाली ने आगे कहा, "यह ऐतिहासिक समझौता भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के बिना संभव नहीं हो पाता। भारत के वैश्विक व्यापार को विस्तार देने और पारंपरिक भारतीय उद्योगों को सशक्त बनाने के उनके अटूट संकल्प ने इस रणनीतिक और भविष्यगामी व्यापार समझौते को संभव बनाया है।"

जीजेईपीसी सभी हितधारकों के साथ मिलकर इस समझौते की पूरी संभावनाओं को उपयोग में लाने और इसके लाभों को मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक स्तर – कारीगरों और छोटे निर्माताओं से लेकर बड़े निर्यातकों और अंतरराष्ट्रीय खुदरा विक्रेताओं – तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

माननीय मंत्री श्री पीयूष गोयल के ऊर्जावान नेतृत्व में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा निभाई गई अहम भूमिका के लिए धन्यवाद देते हुए श्री भानसाली ने कहा, "वाणिज्य विभाग ने असाधारण स्पष्टता और प्रतिबद्धता के साथ बातचीत को आगे बढ़ाया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि भारतीय निर्यातकों और कारीगरों के हितों की पूरी तरह से रक्षा हो सके। उनकी सक्रिय भागीदारी और क्षेत्रीय समझ ने इस क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी समझौते को साकार किया है।"

भारत-ब्रिटेन एफटीए भारत के रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह न केवल भारत को विश्व के सबसे मूल्यवान बाजारों में से एक तक बेहतर पहुंच प्रदान करता है, बल्कि भारतीय कला और उद्यमिता की भावना का भी उत्सव मनाता है। यह समझौता निर्यात वृद्धि, निवेश आकर्षण और सबसे महत्वपूर्ण, भारत के आभूषण निर्माण केंद्रों में हजारों नौकरियों का सृजन करेगा।

एफटीए व्यापार बाधाओं को कम करेगा, लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करेगा, और यह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय आभूषण निर्माता वैश्विक उपभोक्ताओं को अधिक तेजी और प्रतिस्पर्धा के साथ सेवाएं प्रदान कर सकें। यह भारतीय और ब्रिटिश आभूषण निर्माताओं के बीच डिज़ाइन सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देगा, जिससे भारत की स्थिति वैश्विक आभूषण निर्माण और डिज़ाइन के केंद्र के रूप में और मजबूत होगी।

आईआईएम रायपुर और छत्तीसगढ़ सरकार की साझेदारी में लॉन्च हुआ 'अर्जन के साथ अध्ययन' मॉडल

सीएमजीजीएफ के तहत छात्रों को 50,000 मासिक स्टाइपेंड

रायपुर भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर ने 'पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस' में दो वर्षीय एमबीए कार्यक्रम लॉन्च किया है। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ सरकार की प्रमुख पहल मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के अंतर्गत पूर्ण रूप से वित्तपोषित है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए कुल 36 छात्रों का चयन किया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 11 मई 2025 है। अधिक जानकारी के लिए देखें https:// iimraipur. ac.in /mba-ppg/ आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने कहा, "आईआईएम रायपुर में हमारा मानना है कि प्रभावी सार्वजनिक नीति समावेशी विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के अंतर्गत प्रस्तुत यह एमबीए कार्यक्रम भावी नेताओं को जटिल शासन चुनौतियों से निपटने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल, नैतिक सोच और व्यावहारिक अनुभव से सुसज्जित करेगा।" यह अनूठा कार्यक्रम शैक्षणिक उत्कृष्टता को व्यावहारिक शासन अनुभव के साथ जोड़कर सार्वजनिक नीति में भावी नेताओं को विकसित करने के लिए बनाया गया है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को राज्य के विकास में योगदान देने के लिए सशक्त बनाया जा सके। छत्तीसगढ़ सरकार छात्रों की पूर्ण ट्यूशन फीस वहन करेगी और ?50,000 मासिक वजीफा (स्टाइपेंड) भी देगी, साथ ही रहने व खाने की सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। यह कार्यक्रम छात्रों को पॉलिसी विश्लेषण, शासन ढांचे, नेतृत्व कौशल, और निर्णय-निर्माण जैसे क्षेत्रों में दक्ष बनाएगा। इसमें आईआईएम रायपुर के अत्याधुनिक परिसर में कक्षा सत्रों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ सरकार के साथ फील्ड ट्रेनिंग भी शामिल है। छत्तीसगढ़ के इच्छुक आवेदकों के लिए यह आवश्यक है कि वे छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी हों। आवेदकों के पास ष्ट्रञ्ज 2022, 2023 या 2024 का वैध स्कोर होना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, आवेदकों को स्नातक में कम से कम 60% अंक (आरक्षित वर्ग के लिए 55%) या समकक्ष CGPA प्राप्त होना चाहिए, जो छत्तीसगढ़ राज्य की आरक्षण नीति के अनुसार मान्य होगा। यह कार्यक्रम छात्रों को सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, नीति थिंक टैंक, सलाहकार कंपनियों एवं अन्य क्षेत्रों में प्रभावशाली करियर के लिए तैयार करता है। स्नातक होने के बाद, उन्हें छत्तीसगढ़ सरकार सहित निजी और सार्वजनिक संगठनों में अवसर मिल सकते हैं।

हरिकिशनपुरा में ख़ान लीज के विरोध में ग्रामीणों ने 6 घंटे किया विरोध प्रदर्शन

पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने धरने का किया समर्थन

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत पालड़ी के हरीकिशनपुरा में खान लीज के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं सूचना पर विराटनगर के पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर भी मौके पर पहुंचे।पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने बताया कि इस पहाड़ पर हमारे हिन्दू धर्म की आस्था से जुड़े 10 मंदिर है जिनको तोड़ने का प्रयास किया जा रहा हैं, भाजपा सरकार झूठा हिन्दू हितैषी होने का ढोंग करती हैं, हम हमारे मंदिरों व ग्रामवासियों की रक्षा के लिए डटे हुए हैं।इस खान को चलाने के लिए पुलिस अधिकारीयो द्वारा बार बार ग्रामीणों को डराया-धमकाया जा रहा हैं।इस ख़ान पर चलने वाले ओवरलोड वाहनो से दुर्घटना में दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये थे लेकिन प्रशासन कोई एक्शन नहीं लें रहा क्योंकि ये इन सबकी मिलीभगत हैं। वहीं सूचना पर विराटनगर तहसीलदार व संबंधित मनोहरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां ग्रामीणों से समझाइस की गई।वहीं तहसीलदार लालाराम यादव ने खान को अस्थाई रूप से बंद करवाया और भरोसा दिलाया कि ग्रामीणों की बिना इजाजत खान दोबारा शुरू नहीं होंगी।इस दौरान ग्रामीणों ने करीब 6 घंटे विरोध प्रदर्शन किया।

इनका कहना है

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचा, वही ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठा रहा, तहसीलदार के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया, मेरा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह है कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते जल्द ही इस खान लीज़ को निरस्त करें।

इंद्राज गुर्जर पूर्व विधायक विराटनगर

मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों से समझाइस कर धरना समाप्त करवाया गया,फिलहाल खान को अस्थाई रूप से बंद करवाया गया है,मंदिरों की स्थितियों को लेकर माइंस की टीम जांच करेगी।उसके बाद उचित कारवाई अमल में लाई जाएगी।

विराटनगर तहसीलदार लालाराम यादव

आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज से किया बिजौलियां आने के लिए निवेदन

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। सकल दिगंबर जैन समाज, दिगंबर जैन पारसनाथ तीर्थ कमेटी और बड़ा मंदिर कमेटी बिजौलियां ने संयुक्त रूप से जावद में आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज को श्रीफल भेंट कर बिजौलियां आने के लिए निवेदन किया।बड़े मंदिर में 29 से 31 मई तक लघु पंचकल्याण तय हो गया है और उनके सानिध्य में सारा कार्यक्रम संपन्न होना हैं।विदित हैं कि बिजौलियां में 27 वर्ष बाद यह मुनि संघ का आगमन होगा। उसको लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष लाभचंद पटवारी द्वारा आचार्य श्री को दिगंबर जैन पारसनाथ तीर्थ क्षेत्र पर आगमन के लिए भी निवेदन किया गया।

तिरंगा लहराया, लगाए हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। भारत पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध के हालात के बीच कस्बे के तेज़ाजी चौक पर पुलिस के जवानों और आम नागरिकों द्वारा तिरंगा लहराकर भारतीय सैनिकों की हौंसला अफजाई की गई।देशभक्ति के जोश से लबरेज़ कस्बेवासियों ने वन्देमातरम,भारतमाता की जय,हिंदुस्तान जिंदाबाद,भारतीय सेना जिंदाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए।वहीं भारत द्वारा पाकिस्तान को दिए जा रहे मुंहतोड़ जवाब के लिए भी सेना और सरकार की सराहना की गई।

विक्रम राठौड़ बने जेएनवीयू जनसंपर्क प्रकोष्ठ में सदस्यके रूप में सह संयोजक पर दी नियुक्ति

जयपुर टाइम्स

जोधपुर(निसं.)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक द्वारा गठित जनसंपर्क प्रकोष्ठ समिति में जनसंपर्क एवं लोक प्रशासन के विशेषज्ञ विक्रम राठौड़ को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राठौड़ अब विश्वविद्यालय की मीडिया रणनीतियों, अकादमिक एवं प्रशासनिक नीतियों, कार्यक्रमों और अभियानों के व्यापक प्रचार-प्रसार का कार्यभार संभालेंगे। साथ ही वे कुलपति को जनसंपर्क से जुड़े विषयों पर परामर्श भी देंगे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कर्नाटक ने राठौड़ को शुभकामनाएं दीं। राठौड़ ने भी इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हेतु कुलपति का आभार जताया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय की नीतियों और उपलब्धियों को जनसंपर्क माध्यमों से जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि राठौड़ वर्तमान में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय तथा राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में सह जनसंपर्क अधिकारी के रूप में मानद सेवाएं दे रहे हैं। वे साहित्य, लोक प्रशासन और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं तथा एक स्वतंत्र उच्च शिक्षा समीक्षक, सलाहकार एवं लेखक के रूप में पहचाने जाते हैं। उनकी सेवाएं विश्वविद्यालय जनसंपर्क प्रणाली को नई दिशा देने में सहायक होंगी।

महाराणा प्रताप जयंती पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) निकटवर्ती ग्राम भैंसलाना में महाराणा प्रताप जयंती पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता धर्मसिंह शेखावत ने बताया कि हर वर्ष की भाँति ग्राम भैंसलाना के युवाओं द्वारा महाराणा प्रताप जयंती पर शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। युवाओं द्वारा होली चौक पर महाराणा की प्रतिमा को पुष्पांजलि देकर यात्रा का शुभारम्भ किया गया। जिसमें युवाओं ने तिरंगा व भगवा ध्वज लेकर गाँव में शोभा यात्रा निकाली। जिसका ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। युवाओं ने हिंदुस्तान जिंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाये। यात्रा का समापन होली चौक पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा के सामने केक काटकर किया गया। इस दौरान युवा नेता संजीव सिंह शेखावत, पिंटू सिंह, आशीष सिंह, निर्मल सिंह, लोकेश सिंह, माल सिंह, मनीष सिंह, परमेंद्र सिंह, राहुल सिंह, अशोक सिंह, अनिल सिंह, सुरेंद्र सिंह, टुनिया फौजी, नरेंद्र सिंह, कोकी सिंह, कुलदीप सिंह, छोटू सिंह आदि मौजूद रहे।

नंगल बांध के कन्ट्रोलिंग स्टेशन पर ताला लगवाना संघीय ढांचे पर चोट और गंभीर अपराध है - जयबीर गोदारा

जयपुर टाइम्स

नोहर(निसं.)। इंडियन नेशनल लोकदल के राजस्थान अध्यक्ष जयबीर गोदारा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा नंगल बांध के कंट्रोलिंग स्टेशन पर ताला लगवाने की घटना की कड़ी निंदा की तथा इसे संघीय ढांचे पर चोट और गंभीर अपराध बताया। गोदारा ने कहा की केन्द्र सरकार को मुख्यमंत्री भगवंत मान पर मुकदमा दर्ज कर इस पूरे मामले की जांच सीबीआई द्वारा करवानी चाहिए। भारत के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि जब हिमाचल से आए पानी पर पंजाब के मुख्यमंत्री ने ताला लगाया है। केन्द्र सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करके इस स्थिति को अपने हाथ में लेना चाहिए। बीबीएमबी में तुरन्त अर्धसैनिक बल मुहैया करवाकर पंजाब पुलिस को बीबीएमबी से वापस भेजा जाएं तथा बीबीएमबी में हरियाणा और राजस्थान सरकार की तरफ से तकनीकी सदस्य की नियुक्ति शीघ्रता से की जाए। जयबीर ने कहा की हरियाणा और राजस्थान में चारों तरफ पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है।अरविन्द केजरीवाल और भगवंत मान ने हरियाणा और राजस्थान विधानसभा चुनावों में कहा था कि हरियाणा और राजस्थान को उसके हक का पानी देंगे अब हरियाणा में चुनाव हारने के बाद पानी देने से इनकार करके हार की खीज मिटा रहे हैं। जहां आप, कांग्रेस और भाजपा पंजाब में हरियाणा और राजस्थान को पानी न देने के मामले में एकमत हो गई हैं वहीं हरियाणा और राजस्थान के लोगों के सामने पंजाब से अपना हक लेने का ढोंग करती है। इससे भाजपा, कांग्रेस और आप पार्टी का दोहरा चेहरा लोगों के सामने उजागर हो गया है। जयबीर ने कहा की पंजाब सरकार राजस्थान के मरु प्रदेश में कैमिकल वाला पानी दे रही है जिससे मरु प्रदेश में कैंसर के मरीज बढ़ रहे हैं। हजारों लोगो द्वारा बार बार प्रर्दशन करने के बाद भी कैमिकल वाला पानी बन्द नहीं हुआ है। केन्द्र सरकार से माँग है कि पंजाब सरकार पर अंकुश लगाया जाए और नदियों के पानी पर सम्पूर्ण देश का हक हो इस भावना से कार्य किया जाए।

तामडिया में नव दिवसीय चल रहे 108 कुण्डीय श्री सीताराम महायज्ञ का समापन हुआ

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.)। चाकसू के तामडिया धाम में चल रहे 108 कुण्डीय श्री सीताराम महायज्ञ की आज संतों महंतों एवं अतिथियों की मौजूदगी में पूर्णाहुति की गई। यज्ञ संयोजक रामेश्वर ताखर ने बताया कि शनिवार सुबह ही धन्न पीठाधीश्वर बजरंग देवाचार्य महाराज के सानिध्य में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा, चाकसू विधायक रामअवतार बैरवा, राजस्थान जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील, त्रिवेणी धाम खोजी द्वारा आचार्य रामरीछपाल दास महाराज, डाकोर धाम के राम रतन दास महाराज, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष मोहनदास महाराज, काला कोटा के महंत बलदेव आचार्य महाराज, अयोध्या के अखाड़ा परिषद सचिव प्रेमदास महाराज, चाकसू प्रधान प्रतिनिधि बद्रीनारायण चौधरी, चाकसू क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष मदनलाल चौधरी, मनीष दास, राजू दास महाराज व सागर दास महाराज सहित अन्य संतों एवं अतिथियों ने यज्ञ में पूर्णाहुति दी। यज्ञ आचार्य दिनेश त्रिवेदी ने वेद मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति दिलवाकर यज्ञ का समापन किया। इससे पूर्व आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री खरा, विशिष्ट स्थिति चाकसू विधायक खोजी द्वारा आचार्य महाराज, पूर्व मंडी अध्यक्ष कैलाश शर्मा, सरपंच मुकेश चौधरी, सरपंच संघ अध्यक्ष कन्हैयालाल शर्मा, श्योजीराम सर सिरौली देवली, हरलाल सरपंच धुंआ कला, नारायण सरपंच चौरू धाम एवं जगदीश नारायण पूर्व प्रधान देवली एवं अन्य संतों का स्वागत सत्कार एवं अगवानी की गई। वही यज्ञ स्थल पर राजस्थान प्रदेश एवं अन्य प्रति से बड़ी संख्या में आए शब्द वालों ने भी यज्ञ की परिक्रमा की और संतों महंतों से आशीर्वाद लिया। संत विदाई व अन्य कार्यक्रम भी हुए। यज्ञ स्थल पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पंगत में प्रसादी ग्रहण की। यज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष गिरिराज मोदानी, ट्रस्ट के अध्यक्ष महेंद्र सिंह चौधरी, चंद्र प्रकाश बडगौती सचिव, महेंद्र खंडेलवाल उपाध्यक्ष, रामजी गुप्ता कोषाध्यक्ष, रमेश कूलवाल, विष्णु मामोडीया, श्याम पाराशर, मुकेश यादव, अशोक पंजाबी, भंवर बना, रामरतन घोंसल्या व रामचंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं गणमान्य लोगों ने व्यवस्था में अपना विशेष सहयोग दिया।

रात्रि के समय मकान में घुस कर नकदी व जेवरात चोरी की वारदात का खुलासा

कोटपूतली थाना पुलिस ने नकबजनी की वारदात करने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कोटपूतली(निसं.) स्थानीय थाना पुलिस ने विगत 6 व 7 मई की मध्य रात्रि को कस्बे के डाबला रोड़ स्थित भागीरथ एनक्लेव में एक मकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुये अभियुक्त को गिरफ्तार कर माल बरामद किया है। एसएचओ राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि इस सम्बंध में परिवादी ने दर्ज कराया था कि 6 मई की रात्रि को परिवार सहित खाना खाकर सो गये थे। सुबह उठ कर देखे तो एक कमरे का दरवाजा खुला हुआ था तथा सामान भी बिखरा हुआ था। जिसमें सोने का मंगल सूत्र, एक घड़ी, पर्स में रखी 20-20 रूपयों की नोटों की गड्डी सहित अन्य नकदी गायब थी। इस सम्बंध में पुलिस ने मामला दर्ज करते हुये जांच शुरू की, साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज जांच करते हुये 24 घण्टे के भीतर वारदात के अभियुक्त नासिर (20) पुत्र मुस्तफा अली पठान निवासी सुल्तानपुर पट्टी, थाना बाजपुर जिला उधमसिंह नगर उत्तराखण्ड हाल निवासी रजा मस्जिद के पास, थाना स्वार जिला रामपुर (उत्तरप्रदेश) को गिरफ्तार करते हुये वारदात में चोरी किया गया माल बरामद कर लिया। प्रकरण में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये अभियुक्त से गहनता से पुछताछ की जा रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सालासर

प.स. सुजानगढ़ (चुरू)

क्रमांक- ग्रा. प./सा./2025/229 दिनांक- 08/05/2025

आपत्ति नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नेमीचंद पुत्र बालचंद जाति प्रजापत निवासी सालासर पंचायत समिति सुजानगढ़ जिला चुरू द्वारा ग्राम पंचायत सालासर द्वारा जारी पट्टा स. 27969 पट्टा जारी दिनांक 17/01/2025 पट्टा धारी का नाम श्री नेमीचंद पुत्र बालचंद जाति प्रजापत निवासी सालासर के नाम से स्थित सम्पति का आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ सपरिवर्तन का आवेदन पत्र राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 173 क के तहत प्रस्तुत किया गया है। आवासीय सम्पति का विवरण निम्न प्रकार है ।

1. सम्पति का विक्रय विलेख ग्राम पंचायत सालासर द्वारा जारी पट्टा स. 27969 पट्टा जारी दिनांक 17/01/2025 पट्टा धारी का नाम श्री नेमीचंद पुत्र बालचंद जाति प्रजापत निवासी सालासर नाम से जारी किया गया है । 2. आवासीय सम्पत्ति का क्षेत्रफल- 54.4 वर्ग गज (490.6 वर्ग फूट) है

3 सम्पति के पडौसान- (क) पूर्व - मकानात- घनश्याम पुत्र बालचंद बालचंद (ग) उत्तर- आम रास्ता (घ) दक्षिण- मकानात- घनश्याम व जगदीश पुत्र बालचंद (ख) पश्चिम- जगदीश पुत्र

उक्त पडौसन के मध्य स्थित आवासीय सम्पति के व्यावसायिक सपरिवर्तन के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति, संस्था, विधिक व्यक्ति आदि को कई आपत्ति हो तो दिनांक 08/06/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति को प्रस्तुत करे समय सीमा समाप्ति के पश्चात प्राप्त आपत्ति को स्वीकार नही किया जायेगा

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सालासर
प.स. सुजानगढ़ (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत सालासर
प.स. सुजानगढ़ (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत सालासर

प.स. सुजानगढ़ (चुरू)

क्रमांक- ग्रा. प./ सा./2025/230 दिनांक- 08/05/2025

आपत्ति नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री देवाराम पुत्र बनाराम जाति प्रजापत सालासर पंचायत समिति सुजानगढ़ जिला चुरू द्वारा ग्राम पंचायत सालासर द्वारा जारी पट्टा स. 12 पट्टा जारी दिनांक 23/12/2024 पट्टा धारी का नाम श्री देवाराम पुत्र बनाराम जाति प्रजापत निवासी सालासर के नाम से स्थित सम्पति का आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ सपरिवर्तन का आवेदन पत्र राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 173 क के तहत प्रस्तुत किया गया है आवासीय सम्पति का विवरण निम्न प्रकार है

1. सम्पति का विक्रय विलेख ग्राम पंचायत सालासर द्वारा जारी पट्टा स. 12 पट्टा जारी दिनांक 23/12/2024 पट्टा धारी का नाम श्री देवाराम पुत्र बनाराम जाति प्रजापत निवासी सालासर नाम से जारी किया गया है। 2. आवासीय सम्पत्ति का क्षेत्रफल- 16 वर्ग गज (144 वर्ग फूट) है

3 सम्पति के पडौसान- (क) पूर्व- मकानात- जगदीश पुत्र बालचंद (ख) पश्चिम- बालुराम पुत्र अमराराम (ग) उत्तर- आम रास्ता (घ) दक्षिण- मकानात- जगदीश पुत्र बालचंद

उक्त पडौसन के मध्य स्थित आवासीय सम्पति के व्यावसायिक सपरिवर्तन के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति, संस्था, विधिक व्यक्ति आदि को कई आपत्ति हो तो दिनांक 08/06/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति को प्रस्तुत करे समय सीमा समाप्ति के पश्चात प्राप्त आपत्ति को स्वीकार नही किया जायेगा

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सालासर
प.स. सुजानगढ़ (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत सालासर
प.स. सुजानगढ़ (चूरू)

ऋषिकुल में मातृ दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ(निस)। ऋषिकुल विद्यापीठ में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के लिए समर्पित भावनाओं का संगम दिखाया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारों के साथ हुआ। इस मौके पर छात्र-छात्राओं की ओर से वीर सैनिकों की झांकियों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की प्रेरणादायक झलकियाँ प्रस्तुत की गईं। मुख्य अतिथि के रूप में सूबेदार मदन सिंह शेखावत, हवलदार अकरम पठान, हवलदार इफतेखार पठान और शिक्षाविद अर्जुन लाल वर्मा मौजूद रहे। प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बच्चों को देशभक्ति व अनुशासन की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय की व्यख्याता चांदनी शर्मा, ज्योत्सना पांडे, संजना शर्मा, गोपाल खींची डॉ मीना वेदी, मंजू तिवारी, डॉ डिंपल जोशी, राजेंद्र कुमार शर्मा, मधु मिश्रा सहित नागरिक, अभिभावक व संपूर्ण विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

दुश्मन पर जीत के लिए मंगल कामना, किया हनुमान चालीसा का पाठ

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। भारत की जीत की मंगल कामना को लेकर क्षेत्र में धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। इसी क्रम में भाजपा ने भी प्रदेशव्यापी आह्वान पर पाठ किया। उपखण्ड मुख्यालय स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेना के कुशलक्षेम व विजय के लिए सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कर बालाजी महाराज से भारत की विजय के लिए प्रार्थना की। मण्डल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी की अगवाई में कार्यकर्ताओं ने तिरंगा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम् व अखंड भारत राष्ट्र का जयघोष किया। भाजपा नेता संदीप शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार भारत ने आतंकवादियों के ठिकानों पर कुशलतापूर्वक प्रहार कर विजय प्राप्त की है, इससे हम सब भारतीयों का मस्तक गर्व से ऊंचा हो गया है। कार्यक्रम में संघनिष्ठ सज्जनलाल शर्मा ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि देश के सभी लोग भारत की वीर सेनाओं के प्रति आशान्वित है कि हम दुनियां से आतंकवाद का नामोनिशान मिटा देंगे। पाठ में संघनिष्ठ सज्जनलाल शर्मा, सुनील सैनी, जितेन्द्र सुरोलिया, कैलाश पीपलवा, पार्षद संदीप परिहार, पूर्व पार्षद बीएल यादव, संजय परिहार, ज्ञानचन्द कुमावत सहित अनेक भाजपाई उपस्थित रहे।

जिले में ड्रोन उड़ाने और आतिशबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। देश और प्रदेश में वर्तमान में उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए लोक शांति, आंतरिक सुरक्षा व कानून व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से झुंझुनूं जिला प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। जिला मजिस्ट्रेट व जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिले में ड्रोन, हॉट एयर बैलून आदि उड़ाने और पटाखों व आतिशबाजी के विक्रय, भंडारण और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। जारी आदेश के अनुसार, अब बिना सक्षम स्वीकृति के कोई भी व्यक्ति ड्रोन कैमरा, हॉट एयर बैलून आदि नहीं उड़ा सकेगा। हालांकि, यह प्रतिबंध सेना, अर्द्धसैनिक बलों, पुलिस, आपदा प्रबंधन, अग्निशमन, स्वास्थ्य सेवाएं, सर्वेक्षण एवं अन्य सरकारी कार्यों पर लागू नहीं होगा। इसके साथ ही किसी भी प्रकार के पटाखों व आतिशबाजी का भंडारण, विक्रय और उपयोग भी पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि ऐसी गतिविधियां लोक शांति भंग कर सकती हैं और आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि यह आदेश 10 मई से आगामी दो माह की अवधि तक प्रभावी रहेगा। आदेश की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे आदेश का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें।

कलेक्टर व एसपी ने शहीद मोगा की अंत्येष्टी स्थल का जायजा लिया

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। जिला कलेक्टर रामवतार मीणा, एसपी शरद चौधरी ने शहीद सुरेन्द्र मोगा के गांव मेहरादासी पहुंचकर अंत्येष्टि स्थल का जायजा लिया। शहीद मोगा का अन्तिम संस्कार रविवार को सुबह करीब 11 बजे किया जाएगा। इस दौरान मण्डावा उपखण्ड अधिकारी मुनेश कुमारी, तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर, शिक्षाविद्ध हरलाल सिंह मोगा, पूर्व सरपंच सज्जन पूनिया, कुहाडू सरपंच इस्लाम खां, चीकू मोगा सहित सैकडों ग्रामीण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जिला कलेक्टर व एसपी मेहरादासी गावं पहुंच कर शहीद के परिजनों से मुलाकात कर ढाढस बंधाया। ज्ञात रहे कि शहीद मोगा की शहादत की खबर सुनकर उनकी पत्नी सीमा की तबीयत बिगड़ गई वे बेहाश हो गई। शहीद मोगा की पत्नी सीमा करीब दस दिन पहले ही अपने दादाजी के निधन पर पीहर बलरिया गांव गई हुई थी। शहीद वीरांगना को नवलगढ़ जिला अस्पताल लाया गया था। अस्पताल में चिकित्सको ने उपचार किया। उपचार के बाद घर भेजा गया, कलेक्टर व एसपी अस्पताल में वीरांगाना से मिलने पहुंचे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लगभग कुल 91,734 प्रकरण निस्तारित

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। वर्ष 2025 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को ऑफलाईन और ऑनलाईन किया गया। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में व दीपा गुर्जर, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण(जिला एवं सेशन न्यायाधीश), झुंझुनू के निर्देशानुसार ऑफलाईन/ऑनलाईन राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन झुंझुनूं जिले में स्थापित सभी न्यायिक न्यायालयों में किया गया। वर्ष 2025 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ महेन्द्र के सिंह सोलंकी ने बताया कि ऑफलाईन/ऑनलाईन राष्ट्रीय लोक अदालत में मुकदमों के निस्तारण व प्रकरणों की संख्या को देखते हुए कुल 11 राजस्व व न्यायिक अधिकारी की बैंचों का गठन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन संदर्भ में धन वसूली और लम्बित प्रकरणों के संदर्भ में अन्तर्गत धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम, धन वसूली मामले, वैवाहिक विवाद (तलाक को छोड़कर सभी), एम.ए.सी.टी, श्रम व नियोजन संबंधी विवादों के प्रकरण और अन्य सिविल मामले (किराया, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा दावे व विनिर्दिष्ट पालना दावे) इसी के साथ राजस्व मामलों आदि विषयों के पूरे दिन भर में कुल लगभग 1,03,916 प्रकरण रखे गए जिनमें से लगभग 91,734 प्रकरण निस्तारित हुए जिनमें 76019966 की अवॉर्ड राशि पारित हुई। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में लगभग 95357 प्रकरण प्री-लिटिगेशन प्रकृति के रखे गयए जिनमें से 87563 प्रकरण निस्तारित हुए। इसी के साथ लगभग 8559 लम्बित प्रकरण रखे गए जिनमें से 4171 प्रकरण निस्तारित हुए। राष्ट्रीय लोक अदालत में बनाई गई बैंचों में जिला मुख्यालय पर न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय, झुंझुनूं अनिल बेनीवाल, अपर जिला व सेशन न्यायालय क्रम-01 सीमा ढाका, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अपर जिला व सेषन न्यायाधीश डॉ महेन्द्र के सिंह सोलंकी, न्यायिक मजिस्ट्रेट जया सैनी, अध्यक्ष, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष मनोज मील, उपखण्ड अधिकारी हवाई सिंह, अधिवक्ता धीरज कुमार, अधिवक्ता अशोक कुमार, अधिवक्ता श्री रामसिंह आदि उपस्थित रहे व तालुका खेतडी में न्यायिक मजिस्ट्रेट, विनोद कुमार, तहसीलदार सुनिल कुमार, अधिवक्ता देवनन्ददास, तालुका चिडावा में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहनलाल, उपखण्ड अधिकारी नरेश सोनी व अधिवक्ता अभिषेक महमिया, तालुका पिलानी में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बबीता सैनी, अधिवक्ता विजय सिंह तालुका उदयपुरवाटी में अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विजय कोचर, अधिवक्ता अशोक कुमार तालुका नवलगढ़ में न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय सुमन चौधरी तहसीलदार महेन्द्रसिंह, अधिवक्ता आनन्दीलाल सैनी, बुहाना में न्यायिक मजिस्ट्रेट तुषार विष्नोई, तहसीलदार बजरंगलाल जाखड, सूरजगढ़ क्षेत्र के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट संगीता व तहसीलदार चन्द्रशेखर यादव और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सुरेष कुमार, राजेष कुमार, प्रियंका कस्वां, रजनीष कुमार टेलर, प्रियंका कुमारी व षिवदान चारण आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

कथा में शिव की महिमा और उनकी लीलाओं का वर्णन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। ढोलास की कामधेनु गौशाला में आयोजित शिव पुराण कथा के दूसरे दिन व्यासपीठ के पंडित गरूकृपा ने बताया कि कैसे भगवान शिव ने सृष्टि के निर्माण और पालन में अपनी भूमिका निभाई और कैसे वे भक्तों की रक्षा करते हैं। कथा से पूर्व गौशाला के भामाशाह व गौभक्त रघुवीर जांगिड़ के असामयिक निधन होने पर दो मिनट का मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कथावाचक ने भगवान शिव की विभिन्न लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि कैसे उन्होंने सृष्टि का निर्माण किया, कैसे उन्होंने संसार को चलाकर रखा और कैसे उन्होंने भक्तों के दुख दूर किए।यह दिन भगवान शिव की महिमा और उनकी शक्ति का वर्णन करने के लिए समर्पित है। कथावाचक बताते हैं कि भगवान शिव सर्वशक्तिमान हैं और वे सभी के कल्याण के लिए तत्पर रहते हैं।कथावाचक ने शिव के भक्तों के बारे में बताया। जो शिव की भक्ति में लीन रहते हैं, भगवान शिव से उनकी मनोकामनाएं प्राप्त करते हैं। शिव की पूजा के महत्व को उजागर कर कथावाचक ने बताया कि शिव की पूजा करने से भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि मिलती है। शिव पुराण के दूसरे दिन की कथा का बहुत महत्व है क्योंकि यह भगवान शिव की महिमा और उनकी लीलाओं का वर्णन करती है। यह कथा भक्तों को शिव की भक्ति के लिए प्रेरित करती है और उन्हें यह भी सिखाती है कि कैसे वे भगवान शिव की पूजा करके अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शिव पुराण एक विस्तृत ग्रंथ है। कथा में यजमान प्रहलाद सिंह, संजय जोशी, शिवराज सिंह, होशियार सिंह, इंद्र सिंह, दाधीच समाज के रवि प्रकाश कुदाल, उप जिला शिक्षा निदेशक रामनिवास शर्मा, एडवोकेट बलदेव सिंह, उम्मेद सिंह, क्राइम बैन इंडिया के नादान सिंह, सवाई सिंह, मुकेश शर्मा, प्रताप सिंह, प्रदीप ख्यालिया, मनोहर कुमावत, महेश सैनी साहिर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यू राजस्थान में मनाया मदर्स डे

जयपुर टाइम्स

झुन्झुनू(निस)। स्थानीय न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल गणपति नगर झुन्झुनू में आज मदर्स - डे मनाया गया। कार्यक्रम में माताएं अपने बच्चों के साथ स्कूल पहुंची। इस कार्यक्रम में बच्चों के साथ आई उनकी माताओं का स्वागत सम्मान पुष्प देकर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्योति कुमावत व विशिष्ट अतिथि नितु न्यौला रहे। कक्षा नर्सरी से कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों ने अपनी मातृ शक्ति के साथ मदर्स डे पर डांस किया व विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और अपने अनुभव सभी के साथ साझा किए। कक्षा 6 से कक्षा 11 के छात्र-छात्राओं ने मदर्स डे कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमे अनुष्का कक्षा 6 प्रथम, यशिका कक्षा 7 द्वितीय व विधि कक्षा 6 तृतीय स्थान पर रहें। इस अवसर पर कार्यक्रम में संस्था सचिव इंजी. पीयूष दूकिया ने मातृ शक्ति का अभिवादन करते हुए मदर्स डे मनाने के औचित्य को समझाया और कहा दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति व ताकत मातृ शक्ति ही है। माता ही वह बड़ी शक्ति है जो हमे जन्म देकर बोलना, चलना, आदर सत्कार सिखाती है, उन्होने उद्बोधन देते हुए कहा कि हमें अपनें माता पिता की सेवा करनी चाहिए। संस्था सरंक्षिका विनोद दूकिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मां जीवन मे एक अनमोल तोहफा है। मां का स्थान कोई और नही ले सकता। इंजी. ज्योती दूकिया ने अपने उद्बोधन में कहा की मां शब्द हमें प्यार, ममता, और सहनशीलता का संदेश देती है। मां का नाम जुबान पर आते ही एक अलग सा अहसास होने लगता है, जिसको शब्दों में बयान करना कठिन है। एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. शिखा सहाय ने बताया कि मां का प्यार और ममता अनमोल होती है। प्राचार्या निधि सिहाग ने मातृ शक्ति के कार्यक्रम में अतिथियों व सभी माताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका अरूणा के साथ साथ कक्षा 9 की छात्रा चारवी व साक्षी ने किया।

गायत्री जीवन जीने का दर्शन दिखाती है, यज्ञ सिखाता है जीवन जीने की कला

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं / नवलगढ। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान नवलगढ स्थित बावड़ी गेट के निकट एकादशी के उपलक्ष में यज्ञ - हवन का आयोजन किया गया। मुख्य यजमान गौरीशंकर शर्मा, उनकी पत्नी गीता देवी रहे। यज्ञाचार्या प. धर्मपाल मिश्रा ने कहा कि गायत्री और यज्ञ हमारी संस्कृति के माता-पिता हैं, गायत्री हमें जीवन जीने का दर्शन दिखाती है और भगवान यज्ञ हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। यही ज्ञान और कर्म रूपी जीवन रथ के दो चक्के हैं, इन दिनों मानव अनास्था के दौर से गुजर रही है। साधन भरे पड़े हैं पर साधना का अभाव है, इसी कारण ज्ञान, धन और शक्ति मिल कर भी सुख, शांति और संतुष्टि प्रदान नहीं कर पा रहे। स्थाई , शांति और संतुष्टि के लिए गायत्री और यज्ञ में जीवन की आवश्यकता आन पड़ी है। वेदमाता, देवमाता और विश्वमाता गायत्री की उपासना, त्याग, परोपकार, संगठन और जीवन की प्रेरणा देने वाले यज्ञ का आयोजन विश्व की शांति के आवश्यक है। कार्यक्रम में विद्या, सीमा, मोती लाल, टिन्कू, पूजा, शोभा, देवंकी, ममता, बुल्लू, रैणू, प्रभू बिड़ोदी, ओम प्रकाश सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। बाद में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया।

बाल संस्कार केंद्र में मनाई महाराणा प्रताप जयंती

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) सेवा भारती समिति कोटपूतली द्वारा संचालित महाराणा प्रताप बाल संस्कार केंद्र आदर्श नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिला स्वास्थ्य आयाम प्रमुख भूपेंद्र सोनी ने इस अवसर पर बच्चों को महाराणा प्रताप के जीवन, उनके साहस, आत्म बलिदान और मातृभूमि के प्रति प्रेम की प्रेरणादायक कहानियाँ सुनाई। कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्जवलन व राष्ट्रगान से हुई। इसके पश्चात बच्चों ने महाराणा प्रताप पर आधारित कवितायें, नाटक और भाषण प्रस्तुत किये। वक्ताओं ने बताया कि महाराणा प्रताप ना केवल एक महान योद्धा थे, बल्कि वे स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक भी हैं। बाल संस्कार केंद्र पर आने वाली बालिका पीहू सैनी ने महाराणा प्रताप का चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समिति के कार्यकर्ताओं ने बच्चों को उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देश भक्ति, संस्कार और चरित्र निर्माण की भावना को प्रबल करना था। अंत में सभी बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया और सामूहिक जयघोष "महाराणा प्रताप अमर रहें" के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पाकिस्तानी हमले में मेहरादासी का एयरफोर्स जवान शहीद

उधमपुर में थी पोस्टिंग, पत्नी की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। झुंझुनूं के जवान की शहादत की जानकारी के बाद उनके गांव सन्नाटा पसरा है। जवान ने हाल ही में गांव में नया मकान बनाया था। झुंझुनूं के एयरफोर्स के जवान पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में शहीद हो गए। जम्मू-कश्मीर के मोगा (उधमपुर) में शुक्रवार रात को हुए अटैक में उनकी शहादत हुई। जवान सुरेंद्र कुमार मेहरादासी (मंडावा) के रहने वाले थे। परिवार के अनुसार, वे 14 साल से एयरफोर्स की मेडिकल विंग में थे। पार्थिव देह को गांव कब लाया जाएगा, इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। वीरांगना सीमा को जब पति सुरेंद्र कुमार की शहादत की सूचना मिली तो उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें नवलगढ़ (झुंझुनूं) हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती सीमा। हालचाल जानने पहुंचे कलेक्टर राम अवतार मीणा। (स्काई ब्लू हाफ स्लीव शर्ट में) मेडिकल असिस्टेंट सार्जेंट थे सुरेंद्र कुमार जिला कलेक्टर राम अवतार मीणा ने बताया कि सुरेंद्र कुमार 39 विंग उधमपुर में मेडिकल असिस्टेंट सार्जेंट थे। उनके शहीद होने की सूचना सेना मुख्यालय से उनके जीजा जयप्रकाश को फोन पर दी गई थी। जवान के चाचा सुभाष मोगा ने बताया कि सुरेंद्र मिलनसार और देशभक्त था। युवाओं को फौज की तैयारी भी टिप्स देता था। सुरेन्द्र कुमार 15 अप्रैल को ही अपने परिवार को साथ लेकर ड्यूटी पर वापस गए थे। गांव में उन्होंने नया मकान बनवाया था, जिसका गृह प्रवेश हाल ही में हुआ था। वे 15 अप्रैल को ही पत्नी और बच्चों के साथ वापस लौटे थे। शहीद सुरेन्द्र सिंह अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। जवान सुरेंद्र कुमार करीब एक महीने पहले ही छुट्टियों के बाद उधमपुर लौटे थे। परिवार में पत्नी और दो मासूम बच्चे सुरेन्द्र कुमार अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए। उनका परिवार उनके साथ ही रहता था। उनका बेटा 5 साल का और बेटी 8 साल की है। उनके पिता शिशुपाल सिंह सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त थे, उनका निधन हो चुका है। अभी तक सुरेंद्र की मां और उनकी पत्नी को शहादत की जानकारी नहीं दी गई है। उनकी पत्नी सीमा अपने दादा के निधन के कारण बच्चों को लेकर 10 दिन पहले पीहर नवलगढ़ (झुंझुनूं) आई थी। परिजन ने बताया कि पिछली बार सुरेंद्र छुट्टी पर आए तो इसी नए मकान का गृह प्रवेश किया था। शहीद सुरेंद्र कुमार की पत्नी की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती वीरांगना सीमा को जब पति सुरेंद्र कुमार की शहादत का समाचार मिला तो उनकी तबीयत बिगड़ गई।

लोक अदालत में 103 प्रकरणों का निस्तारण

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट अजयदीप सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को तारानगर के न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें न्यायालय में लंबित प्रकरणों में दांडिक शमनीय के 30 प्रकरणों, 138 एन.आई. एक्ट के 13 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिनमें 29,52,595 रूपये की वसूली हुई। वैवाहिक मामलों के 7 प्रकरणों, भरण पोषण के 24 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिनमें 3,28,000 रूपये की वसूली हुई। सिविल व धन वसूली मामलों के 4 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिसमें कुल 16,75,938 रूपए की वसूली हुई। एमएसिटी के 8 प्रकरणों मे कुल राशि 21,85,000 के पंचाट पारित किए गए। बैंक और बीएसएनएल के प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों में 17 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिनमें 6,19, 310 रूपये की वसूली हुई। इस प्रकार लोक अदालत में कुल 103 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिनमें 60,84,905 रूपये की वसूली हुई। लोक अदालत में सदस्य के रूप में अधिवक्ता राजेंद्र सिंह राठौड़ का सहयोग रहा। इस मौके पर न्यायालय कर्मचारी व अधिवक्ता मौजूद रहे।

आपातकालीन स्थिति में चिकित्सा संबंधी प्रशिक्षण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भारत पाकिस्तान के मध्य आपातकालीन स्थिति को देखते चिकित्सा विभाग की ओर से पुलिस, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड को आपात स्थितियों में घायलों को ट्राइएज कॉलर कोडिंग का प्रशिक्षण दिया गया। पंचायत समिति के वीसी रूम में उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा, तहसीलदार राजूदेवी बुनकर, विकास अधिकारी रवि कुमार व बीसीएमओ डॉ. भूपेन्द्र कुमार की उपस्थिति में डॉ. रविकांत सोनी, डॉ. रंजीता व डॉ. अशोक बुडानिया की ओर से घायलों एवं जले हुए लोगों की मदद करने तथा उन्हें आवश्यक ट्राइएज कॉलर कोडिंग देने और सीपीआर देने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने घायलों व मरीजों को उनकी गंभीरता के अनुसार विभाजित करने के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ट्राइएज कॉलर कोडिंग एक उपयोगी प्रणाली है, जो आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को उनकी स्थिति की गंभीरता के आधार पर प्राथमिकता देने में मदद करती है। डॉ. रवि कांत सोनी ने बताया कि इस सिस्टम के माध्यम से चिकित्सा संसाधनों का ध्यान उन मरीजों पर केंद्रित होता है, जिन्हें उपचार की सबसे अधिक आवश्यकता है। इससे मरीजों का सही समय पर उपचार करने में मदद होती है और यह सीमित संसाधनों के साथ अधिकतम लोगों की जान बचाने में मदद करता है। इस मौके पर एसीबीईओ मंजू पंवार कोतवाली सीआई बेगाराम मीणा, सदर सीआई पुष्पेन्द्र झाझड़िया सहित पुलिस के अधिकारी, हैड कांस्टेबल और कांस्टेबल मौजूद रहे।

राजेन्द्र नायक ने किया लाईब्रेरी का अवलोकन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अनुसूचित राज्य वित आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार नायक ने भारत माता चौक स्थित श्री देवनारायण मंदिर में धोक लगाई और हाल ही में निर्मित की गई कर्नल किरोड़ीसिंह बैंसला लाईब्रेरी का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान राजेंद्र नायक ने अभ्यर्थियों से कहा कि कड़ी मेहनत के साथ लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने लाइब्रेरी के निर्माण पर श्री देवनारासण भगवान मंदिर समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र गुर्जर को बधाई दी। इस अवसर पर ट्रस्ट कार्यालय में राजेंद्र नायक का समिति अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर, किशोर डोई, रतनलाल पोसवाल, मनसुख खटाना, जगदीश दौराता, ओमप्रकाश चौहान, हेमन्त सिराधना, शंकरलाल लीलू, आनन्द बोकण आदि ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।

रेलवे स्टेशन पर शीतल पेयजल सेवा शुरू

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। गर्मी के मौसम में स्थानीय रेलवे स्टेशन पर सुजलांचल विकास मंच समिति की ओर से यात्रियों की सुविधार्थ शीतल जल की व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। समिति उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की भावना के अनुरूप समिति की ओर से राजकीय बगड़िया चिकित्सालय में भी जल व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है। इसी प्रकार रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों के लिए जल व्यवस्था भामाशाहों के सहयोग से शुरू की गई है। इस अवसर पर समाजसेवी महेश कुमार बगड़ा ईटानगर प्रवासी, श्री दिगम्बर जैन समाज के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, समिति अध्यक्ष उषा देवी बगड़ा, सचिव विनीत कुमार बगड़ा, स्टेशन मास्टर बनवारीलाल शर्मा, बुकिंग ऑफिसर धनसिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

किसान नेता चौधरी कुंभाराम आर्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। ग्रामीण किसान छात्रावास में किसान नेता चौधरी कुंभाराम आर्य के जन्मदिन पर शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान छात्रावास परिसर में स्थित चौधरी कुंभाराम आर्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर छात्रावास अध्यक्ष सुल्तानसिंह भींचर ने कहा कि सदियों से पीड़ित, प्रताड़ित, अनपढ़, गरीब व किसान वर्ग को युगों-युगों की गहरी नींद से जगाना, संगठित करना, राज के शोषण व जागीरदारों के उत्पीड़न के विरूद्ध लामबद्ध करना एक दुष्कर कार्य था। इस असंभव को संभव बनाना चौधरी कुंभाराम के हाथों में था। किसान वर्ग के हितैषी व जीवन पर्यंत किसानों के हितों के लिए संघर्षरत रहने वाले आर्य के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर रामेश्वरलाल डूडी, गोविंदराम ढाका, हरलालसिंह रूहेला, सोहनलाल चबरवाल, नानूराम बिरड़ा, भागीरथमल खीचड़, सुरेश न्यौल, बजरंगलाल

बीसू, भंवरलाल पूनियां, बनाराम पूनियां, मीरा खिलेरी सहित कई विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भादासर गांव में पत्थर गड्डी करवाने गए प्रशासन और पुलिस पर हमला, 4 गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के भादासर गांव में शुक्रवार को जमीन विवाद मामले में पत्थरगढ़ी करवाने गए प्रशासन और पुलिस की टीम पर जानलेवा हमला करने और राजकार्य में बाधा डालने वाले भादासर निवासी 35 वर्षीय विमला पत्नी गोमदराम जाट, 40 वर्षीय गोमदराम पुत्र रुघाराम जाट, 59 वर्षीय गोमदराम पुत्र ताराराम जाट और गाजूसर निवासी 32 वर्षीय रमेश कुमार पुत्र हनुमानराम जाट को गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि भादासर गांव में दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद था। जिस पर एसडीएम कोर्ट की ओर से एक फैसला किया गया था। उक्त आदेश पर तहसीलदार रतनलाल मीणा को कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। इसके संबंध में मौके पर पत्थर गढ़ी करवाने के लिए गए और इमदाद के रूप में पुलिस जाप्ता भी भेजा गया था। मौके पर जब पत्थरगढ़ी संपादित करवाई जा रही थी। उसी वक्त दूसरे पक्ष ने ट्रैक्टर को लेकर पुलिस और प्रशासन के पीछे दौड़ाया। इस दौरान पुलिस के जवान कांस्टेबल परमेश्वर के ऊपर से ट्रैक्टर दौड़ा दिया। जिससे कांस्टेबल घायल हो गया। मामले में पुलिस ने एक महिला सहित

चार लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने तहसीलदार रतनलाल मीणा की रिपोर्ट पर जानलेवा हमला करने और राजकार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। वहीं मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में भी पुलिस जुटी हुई है।

राजस्थान में 850 वीडीओ पदों पर भर्ती: जून में शुरू होंगे आवेदन, 12 जुलाई को होगी परीक्षा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड राज्य में ग्रामीण विकास अधिकारी के 850 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जून महीने से शुरू करने जा रहा है। बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने जानकारी दी कि मई के अंतिम सप्ताह में भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा और जून के पहले सप्ताह से ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। भर्ती परीक्षा 12 जुलाई को आयोजित की जाएगी। गौरतलब है कि यह भर्ती पंचायती राज विभाग के अधीन की जाएगी। पूर्व में इस पद को 'ग्राम सेवक' के नाम से जाना जाता था, जिसे अब बदलकर 'ग्राम विकास अधिकारी' कर दिया गया है। विभाग द्वारा भेजी गई रिक्वेस्ट में कुछ तकनीकी कमियों के कारण विज्ञप्ति जारी करने में थोड़ी देरी हुई थी, लेकिन अब प्रक्रिया तय समय पर पूरी की जाएगी।

केवल CET पास उम्मीदवारों को मिलेगा मौका

इस भर्ती में वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने ग्रेजुएशन लेवल की (कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट) पास कर रखी है। अनिवार्य योग्यता के रूप में लागू की गई है ताकि योग्य उम्मीदवारों को ही मौका मिले।

शैक्षणिक योग्यता और चयन प्रक्रिया

उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री होनी चाहिए। साथ ही कम्प्यूटर का बुनियादी ज्ञान होना जरूरी है। इसके लिए उम्मीदवार के पास RS-CIT सर्टिफिकेट, 12वीं में कम्प्यूटर विषय या किसी मान्यता प्राप्त संस्था से कम्प्यूटर डिप्लोमा होना चाहिए। भर्ती प्रक्रिया में दो चरणों की परीक्षा होगी– प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा। प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थी ही मुख्य परीक्षा में बैठ सकेंगे। चयन केवल लिखित परीक्षाओं के प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

आयु सीमा और आरक्षण

भर्ती के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष तय की गई है। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी। राज्य भर के लाखों युवा इस भर्ती का इंतजार कर रहे हैं, जो अब जल्द ही पूरा होने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रमाण पत्र और आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखें।

खाटूश्याम जी जा रही कार ने गाय को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

गोविंदगढ़ (जयपुर)। जयपुर से खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए जा रही एक कार ने गोविंदगढ़ के पास सड़क पार कर रही गाय को टक्कर मार दी। हादसा शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे रिलायंस पेट्रोल पंप के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि गाय गंभीर रूप से घायल हो गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गोलीला धाम सेवा समिति के राजू शौकील और उनकी टीम मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत घायल गाय को प्राथमिक उपचार दिया और पास की गौशाला में भर्ती कराया। लेकिन हालत गंभीर होने के कारण गाय की जान नहीं बचाई जा सकी। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन गनीमत रही कि कार में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई। कार सवार जयपुर से खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए जा रहे थे। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। फिलहाल किसी पक्ष की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पशु प्रेमियों और स्थानीय ग्रामीणों ने गाय की मौत पर दुख जताया और सड़क पर बेसहारा पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। यह हादसा एक बार फिर सड़क पर घूम रहे पशुओं की समस्या और वाहन चालकों की सतर्कता की कमी को उजागर करता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आग्रह किया कि हाईवे पर पशु सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं ताकि इस तरह की घटनाएं रोकी जा सकें।

आतंकी घटनाओं पर तुरंत एक्शन लेगा 'जयहिंद कंट्रोल रूम' जयपुर पुलिस ने अभय कमांड सेंटर में शुरू की 24×7 सेवा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाने के लिए 'जयहिंद कंट्रोल रूम' नाम से एक अस्थाई कंट्रोल रूम की स्थापना की है। यह कंट्रोल रूम अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में बनाया गया है और आतंकवादी घटनाओं या किसी भी तरह की आपात सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेगा। पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसफ ने बताया कि वर्तमान तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। आमजन अगर किसी भी प्रकार की आतंकी गतिविधि या उससे संबंधित अफवाह की सूचना देना चाहते हैं, तो वे हेल्पलाइन नंबर 0141-2366683 पर कॉल कर सकते हैं या फिर वॉट्सऐप नंबर 9530422612 पर मैसेज, फोटो या वीडियो भेज सकते हैं। यह कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे (24×7) कार्य करेगा और पुलिस प्रशासन, अग्निशमन विभाग और चिकित्सा सेवाओं के बीच समन्वय स्थापित करेगा। प्राप्त सूचना पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न करें और तुरंत सूचना देकर शहर की सुरक्षा में सहयोग करें। साथ ही यह भी कहा गया कि अफवाहों से बचें और केवल विश्वसनीय सूचना ही साझा करें। 'जयहिंद कंट्रोल रूम' की यह पहल जयपुर को सुरक्षित रखने की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

समर्थन मूल्य पर सरसों-चना खरीद: किसानों को अधिक लाभ देने के लिए पंजीयन लक्ष्यों में होगा स्थानांतरण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्य सरकार किसानों को समर्थन मूल्य योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए सक्रिय हो गई है। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने निर्देश दिए हैं कि सरसों एवं चना खरीद के लिए आवंटित कृषक पंजीयन लक्ष्यों को आवश्यकता अनुसार ऐसे स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए, जहाँ किसान समर्थन मूल्य पर अपनी फसल बेचने में अधिक रूचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के कुछ क्षेत्रों में बाजार भाव अधिक होने के बावजूद किसानों ने समर्थन मूल्य पर फसल बेचने के लिए बड़ी संख्या में पंजीकरण करवाया है, जबकि कुछ क्षेत्रों में उत्पादन कम होने से पंजीयन की संख्या अपेक्षाकृत कम रही है। ऐसे में पंजीयन लक्ष्यों का स्थानांतरण जरूरी हो गया है। श्रीमती राजपाल ने यह भी निर्देश दिए कि राजफैड जिलेवार और क्रय केन्द्रवार पंजीयन लक्ष्य की कैपिंग को बढ़ाए ताकि भारत सरकार द्वारा निर्धारित खरीद लक्ष्यों को समय पर पूरा किया जा सके। राजफैड के प्रबंध निदेशक मोहम्मद जुनैद ने जानकारी दी कि कई केन्द्रों की पंजीयन क्षमता पहले ही पूरी हो चुकी है। अब इन केन्द्रों की पंजीकरण क्षमता को दोगुना किया जाएगा। साथ ही, हाल ही में स्वीकृत किए गए नए क्रय केन्द्रों, जिनकी पंजीकरण क्षमता शून्य है, को 12 मई से 100-100 किसानों के पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी। यह कदम राज्य में किसानों को समर्थन मूल्य योजना का समुचित लाभ दिलाने और लक्ष्य के अनुरूप सरसों व चना की खरीद सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गोपालपुरा गांव में किया कमेटी का गठन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव गोपालपुरा में देश की सीमा पर आपातकालीन स्थिति मध्यनजर प्रशासन की ओर से जारी की गई दिशानिर्देश की पालना करने के लिए सरपंच सविता राठी ने पंचायत भवन में जय राष्ट्र भारत कमेटी का निर्माण करते हुए कंट्रोल रूम स्थापित किया। जिसके अध्यक्ष प्रशासक सविता राठी, उपाध्यक्ष गणपत दास स्वामी व समस्त पंच के साथ 51 राष्ट्र मित्रों को शामिल किया गया। कमेटी की मीटिंग करते हुए राठी ने प्रशासन की ओर से दी गई गाइड लाइन को अक्षरशः बताते हुए कहा कि गांव के प्रत्येक मोहल्ले में सायरन की व्यवस्था और जागरूकता के लिए छोटी कमेटियों को हर परिवार से दवाई, टार्च और इमरजेंसी की वस्तुओं सहित किट तैयार करवाना है। इस दौरान प्रकाश स्वामी, महावीर जेतुंग, नेमीचंद, राजेंद्र, बाबूलाल, भंवरलाल, राकेश सोनी, मुरारी माली, मोहन, ओमप्रकाश प्रजापत, राजेश, भरत सारण, बजरंग सारण, भागीरथ बांसुड़ा, रवि, रघुवीर आदि बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की बैठक, 30 जून तक असाक्षरों का सर्वे पूरा करने का लक्ष्य

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत डीपीईपी भवन में साक्षरता प्रभारी शिक्षकों और सर्वेयर की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला साक्षरता अधिकारी राजेंद्र प्रसाद गहलोत ने बैठक में असाक्षरों के सर्वे के लक्ष्य पर चर्चा की। उन्होंने सर्वे कार्य को 30 जून 2025 तक पूरा करने पर जोर दिया। सहायक परियोजना अधिकारी राजेंद्र सिंह ने उल्लास ऐप के माध्यम से सर्वे को ऑनलाइन करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन मुकेश कुमार जांगिड़ ने किया। ब्लॉक समन्वयक साक्षरता शुभकरण स्वामी ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में चेतनराम, भानीराम भोभीया, राजकुमार तिवारी, आशाराम चालिया, विक्रांत कुमार और मुकेश कुमार सैनी ने सक्रिय भागीदारी की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करना और निर्धारित समय सीमा में सर्वे कार्य को पूरा करना था।

रेड अलर्ट की घोषणा के बाद स्थानीय प्रशासन सक्रिय

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। पाकिस्तान के विरूद्ध चल रहे ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत जिला प्रशासन ने शनिवार की सुबह रेड अलर्ट की घोषणा के बाद स्थानीय प्रशासन सक्रिय दिखाई दिया। वहीं कई व्यापारियों ने अपनी दुकानें नहीं खोली और बाजारों में लोगों की आवाजाही भी कम रही। लेकिन थोड़ी देर बाद ग्रीन अलर्ट जारी कर दिया गया। इसके पश्चात बाजार की दुकानें खुलने लगी और लोगों की चहल-पहल और दिनों के मुकाबले कम रही। रेड अलर्ट को लेकर एसडीएम रामकुमार वर्मा के निर्देश पर तहसीलदार सज्जनकुमार लाटा, सीआई दिलीपसिंह बाजारों में गश्त करते हुए लाउड स्पीकर के माध्यम से घोषणा कर लोगों को घरों में ही रहने की हिदायत दी। पुलिस की अलग-अलग गाड़ियां क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर गश्त करते हुए देखी गई और आमजन से जरूरी कार्य होने पर ही बाहर निकलने का आह्वान किया। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव के चलते क्षेत्र में छुट्?टी आए आर्मी व बीएसएफ के जवान भी वापिस अपने-अपने स्थानों के लिए रवाना हो गए।

जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियों पर लगाया प्रतिबंध

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। वर्तमान में देश व प्रदेश में उत्पन्न आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले के समस्त प्रशासनिक अधिकारियों, जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों और सभी कर्मचारियों के अवकाश व मुख्यालय छोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। जिला कलक्टर व जिला मजिस्ट्रेट रामावतार मीणा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि विशेष अत्यावश्यक अथवा आपातकालीन स्थिति में ही अवकाश की अनुमति दी जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्देशों की कठोरता से अक्षरशः पालना की जाए, अन्यथा संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए सभी विभागों की हो पूर्ण तैयारी : सुराणा

जिला कलक्टर ने तैयारियों की चर्चा कर दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शनिवार को जिला कलक्टर कक्ष में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में अधिकारियों से आपातकालीन परिस्थितियों के मध्यनजर तैयारियों व आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर बैठक में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में किसी भी संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए सभी विभागों की पूर्ण तैयारी हो। सभी अधिकारी आपसी समन्वय से काम करें और आपात स्थितियों के मध्यनजर संसाधनों कर समुचित उपलब्धता सुनिश्चित रखें। उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी से कहा कि सभी ग्राम पंचायतों व नगरनिकायों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने सीएमएचओ से कहा कि सभी विभागों के कार्मिकों के ब्लडग्रुप की सूचना प्राप्त कर पर्याप्त मात्रा में रक्त कर संधारण करें। पीएचईडी विभाग के अधिकारी पर्याप्त पेयजल स्टॉक व संसाधनों की व्यवस्थाएं रखें। सानिवि के अधिकारी पर्याप्त शेल्टर होम आदि आइडेंटिफाई करें और पर्याप्त व्यवस्थाएं रखें। उन्होंने कहा कि जिला नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे क्रियाशील रखें और आमजन को तत्काल सूचना प्रदान करें। एसपी जय यादव ने सभी अधिकारियों को आपदा प्रबंधन के लिए विभागीय समन्वय व कार्ययोजना पर काम करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान आपातकालीन स्थितियों के दौरान संसाधन उपलब्धता, कार्ययोजना, विभागीय गतिविधियों सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर, सानिवि एसई पंकज यादव, सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा सहित पीएचईडी के अधिकारी उपस्थित रहे।

चूरू उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार चूरू उपखंड अधिकारी कार्यालय में आपातकालीन परिस्थितियों के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम के लिए नायब तहसीलदार चुन्नीलाल (मोबाइल नंबर 9414776388) को प्रभारी अधिकारी और भू–अभिलेख निरीक्षक रवि कुमार ठठेरा (मोबाइल नंबर 9116762893) को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। कंट्रोल रूम 24*7 निरंतर कार्य करेगा। कंट्रोल रूम में अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि दूरभाष नंबर 01562 –250930 हैं।

जिला कलक्टर ने आपात परिस्थितियों में सहयोग के लिए जताया आभार

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आपात परिस्थितियों के मध्यनजर सहयोग के लिए समस्त जिलेवासियों, जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों,अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों व संस्थाओं का आभार जताया है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा है कि सभी के सहयोग से हम मिलकर परिस्थितियों में बेहतर समन्वय कर पाए और सरकार के निर्देशों की पूर्ण पालना कर पाए। सभी जिलेवासियों, जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों,अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों व संस्थाओं का सहयोग सराहनीय रहा है। भविष्य में भी हम सभी मिलकर जिले को आगे बढ़ाएं और बेहतरीन समन्वय का परिचय दें।

सहमति के बाद ट्रक चालकों का धरना समाप्त

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय एफसीआई गोदाम के सामने चल रहा ट्रक यूनियन की पांच सूत्री मांगों का अनिश्चितकालीन धरना आज विभाग के उच्च अधिकारियों के दूरभाष पर दिए गए आश्वासन के साथ समाप्त हो गया। धरने का नेतृत्व कर रही डॉ. अमृता चौधरी ने बताया कि विभागीय अधिकारियों ने एफसीआई के स्थानीय अधिकारियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने का आश्वासन दिया है। इसी प्रकार ठेकेदार की ओर से ली गई रिश्वत राशि वाहन चालकों को अदा कर दी गई। सीआई बैगाराम मीणा की मौजूदगी में हुई वार्ता के दौरान एफसीआई गोदाम में बने शौचालयों, पेयजल की सुविधा आदि का इस्तेमाल वाहन चालकों की ओर से करने पर सहमति बनी है। इसी प्रकार नम्बर से वाहनों को खाली करने के नियम का सख्ती से पालन करने की बात पर सहमति बनी। इस दौरान आरएलपी नेता रतनलाल नायक, तिलोकचंद मेघवाल, बृजमोहन पचार, हरीकिशन नायक, रामकिशन पचार, कालूराम खटीक सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

ब्लैक आउट को लेकर उपखंड स्तरीय प्रशासन अलर्ट

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। पिछले दिनों पहलगाम में हमले को लेकर हुए भारत व पाकिस्तान विवाद को लेकर उपखंड स्तरीय प्रशासन ने तारानगर के पंचायत समिति सभागार में शनिवार को कस्बे के सीएलजी सदस्यों की बैठक ली। उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार व डीएसपी रोहित सांखला ने बैठक ली। एसडीएम राजेंद्र कुमार ने कहा कि क्षेत्र में शत प्रतिशत ब्लैक आउट रखे। शाम होने से पूर्व अपने नियमित कार्य कर लेवें और व्यापारी किराना सामानों का भाव अव्यावहारिक भाव न बढ़ावे। डीएसपी रोहित सांखला ने कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट में किसी प्रकार की बख्शीश नहीं होगी व आमजन ब्लैक आउट में जनसहभागिता निभाएं। प्रशासन की ओर से गाइडलाइन की पालना करें व प्रशासन का सहयोग करें। आपत्ति जनक पोस्ट करने से बचें। इस मौके पर तहसीलदार शुभम शर्मा, विकास अधिकारी विनोद कुमार धायल, थानाधिकारी गौरव चारण, पालिका इओ अजय प्रतापसिँह सहित अधिकारी कर्मचारी व शान्ति समिति के सदस्य मौजूद रहे।

युवक पर पाइप से हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार, पहले दोनों पक्षों में कुत्ते को रोटी खिलाने को लेकर हुआ था झगड़ा

जयपुर टाइम्स

बूंदी(निसं.) बूंदी के लाखेरी में एक युवक पर लोहे के पाइप से हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 14 अप्रैल की है, जब एसीसी फैक्ट्री में काम करने वाला विनोद लंच के दौरान घर खाना खाने आया था। लाखेरी एसएचओ सुभाष शर्मा के अनुसार गरमपुरा निवासी हेमराज वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया कि उनके बेटे विनोद पर नरेन्द्र, रोहित और रमेश ने लोहे के पाइप से हमला कर दिया। शोर सुनकर जब पीड़ित के परिवार वाले बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पुलिस जांच में सामने आया कि कुछ दिन पहले दोनों पक्षों में कुत्ते को रोटी खिलाने को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी भी हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों आरोपी रोहित, रमेश और नरेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया है।

चूरू जिले में आगामी 2 माह तक रहेगा प्रतिबंध

मानव रहित विमान (ड्रोन), पटाखे, लेजर/ निओन लाईट, बिना अनुमति फायर के उपयोग पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध, निषेधाज्ञा जारी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर चूरू जिले की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए व जिले की आंतरिक सुरक्षा के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 10 मई, 2025 से आगामी दो माह तक सम्पूर्ण जिले में मानव रहित विमान (ड्रोन), पटाखे, लेजर/निओन लाईट, बिना अनुमति फायर के उपयोग के सन्दर्भ में निषेधाज्ञा जारी की है। जारी आदेशानुसार सम्पूर्ण जिले में मानव रहित विमान (ड्रोन) के उपयोग के लिए वायुयान अधिनियम, 1934 व मानव रहित विमान प्रणाली नियम, 2021 के तहत मानव रहित विमानों (ड्रोन) के संचालन को नियंत्रित करने के लिए बनाए गए नियमों की सख्ती से पालना की जाए। सम्पूर्ण जिले में बिना सक्षम स्वीकृति के मानव रहित विमान (ड्रोन), पटाखे, लेजर/निओन लाईट, फायर संचालन/उपयोग नहीं किया जाएगा। एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि यह आदेश सम्पूर्ण चूरू जिले में तुरन्त प्रभाव से लागू होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने पर पुलिस प्रशासन अथवा उपखण्ड अधिकारी की ओर से भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दण्डित कराने की कार्यवाही की जाएगी। आदेश जारी तिथि से दो माह तक प्रभावी रहेगा। यह आदेश सरकार की गतिविधियों यथा सेना, पुलिस, सशस्त्र बल, होमगार्ड व कानून व्यवस्था में सलंग्न अधिकारियों के लिए लागू नहीं होगा। उन्होंने चूरू जिले के समस्त मुख्य सार्वजनिक स्थानों जैसे जिला कार्यालय, उपखण्ड कार्यालय, तहसील कार्यालय, बस स्टैण्ड, पुलिस थानों पर नोटिस चस्पा कर प्रचार-प्रसार के माध्यम से नागरिकों को अवगत करवाने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने किए निर्देश जारी, एसपी स्वयं सड़कों पर उतरे

चूरू में डेढ़ घंटे रहा रेड अलर्ट, लोगों से सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। भारत की सीमा पर चल रहे तनाव के बीच चूरू में शनिवार सुबह रेड अलर्ट जारी कर दिया गया। रेलवे स्टेशन और गढ़ चौराहे से बजाए गए सायरन के बाद पुलिस की गाड़ियों से लोगों को घरों में जाने की हिदायत दी गई। पुलिस ने बाजार बंद कराए। एसपी जय यादव सहित पुलिस के जवानों ने शहर में गश्त की। यह रेड अलर्ट सुबह साढ़े आठ बजे से दस बजे तक जारी रहा। इस दौरान जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने वीडियो संदेश जारी कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। डेढ़ घंटे बाद ग्रीन अलर्ट जारी कर सामान्य स्थिति में वापस लौटे। एसपी जय यादव ने बताया कि रेड अलर्ट के दौरान लोगों को घरों और सुरक्षित स्थान पर रहने की हिदायत दी गई। उन्होंने बताया कि लोग बिना वजह बाजार में भीड़ ना करें। जिला प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। आमजन भी पुलिस का पूरा सहयोग करें। एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने बताया कि यह कोई मॉक ड्रिल नहीं है, यह रेड अलर्ट है। इसलिए आमजन प्रशासन का पूरा सहयोग करें। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने बताया कि अब आमजन को दिन-रात के समय एयर रेड अलर्ट के लिए तैयार रहना चाहिए। प्रशासन की ओर से सायरन बजाने और सूचित करने पर पूर्ण सतर्कता के साथ सुरक्षित स्थान पर शरण लें। प्रशासन की ओर से सूचित करने पर पूर्ण ब्लैक आउट की पालना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए सूर्यास्त के बाद कम से कम और अति आवश्यक परिस्थिति में ही घर से बाहर निकलें। कृपया घरों, कार्यालयों और प्रतिष्ठानों की सभी लाइटें बन्द रखें।

चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर की पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय घर में चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 4 मई को वार्ड 22 निवासी विद्याधर सिंह पुत्र हरदेवाराम जाट ने मामला दर्ज करवाया था कि मेरे घर से कोई चोर नगदी व सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच हेडकांस्टेबल प्रताप सिंह को सौंपी। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल प्रतापसिंह के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन कर चोरों की तलाश शुरू की गई। सभी टीमों की ओर से अलग-अलग जगह सीसीटीवी कैमरों की जांचकर एवं वैज्ञानिक विधि से तलाश करते हुए वार्ड 15 हनुमान धोंरा निवासी गौरवसिंह पुत्र मानसिंह राजपूत उम्र 21 साल और वार्ड 9 सलामपुरिया कुंआ निवासी दीपक पुत्र नोरतनमल नाई उम्र 25 साल को गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि मामले में साइबर सेल चूरू के कांस्टेबल रमाकांत की विशेष भूमिका रही। वहीं इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल प्रतापसिंह, कांस्टेबल शिवकुमार और एजीटीएफ टीम के कांस्टेबल धनाराम की भूमिका रही। वहीं अब दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेश पर पुलिस रिमांड के दौरान अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

सेना का मनोबल बढ़ाने के लिये कालीमाता मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के वार्ड 41 स्थित कालीमाता मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष के निर्देश पर भारतीय सेना के कुशलक्षेम व सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिये षनिवार को सामुहिक संगीतमय हनुमान चालिसा का पाठ कर देश में सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व व भारतीय सेना के शौर्य पर प्रत्येक भारतीय को पूर्ण विश्वास है, कि भारत इस युद्ध में विजय प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि भारत की सेनाएं विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली सेनाओं में से एक मानी जाती है। हमारे सैनिकों का देश के प्रति जो जज्बा है उसी का परिणाम है, कि आज विश्व में भारत की सामरिक ताकत को माना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत पहले किसी को छेड़ता नहीं, उसके बाद किसी को छोड़ता नहीं। उन्होंने कहा कि हम सब भारतीय देश के लिए समर्पण भाव के साथ कार्य करने के लिए कृत संकल्पित है। उन्होने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के नेतृत्व में विश्व से आतंकवाद का समुल नाश होगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल, पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, मण्डल अध्यक्ष धर्मेन्द्र राकसिया, पूर्व पार्षद नन्दकिशोर मोजासिया, आकाश सैनी, सोशल मीडिया जिला सहसंयोजक सुरेश मिश्रा, कपील चंदेल, किशन किरोड़ीवाल, रमेश पारीक, कुणाल दाधीच, प्रवीण बैद, प्रेमप्रकाश आसोपा, उमेश शर्मा, बंशी वाल्मीकि, प्रहलाद लिलगर, कन्हैयालाल, भीमसेन पहलोड़, महेश दाधीच, रवि दाधीच, नंदू सांसी, लक्ष्मी देवी, जान्हवी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

पाकिस्तान को घुटनों पर लाकर गिड़गिड़ाने को मजबूर, पहलगाम के आतंकियों को सरेंडर करवाए पाक, आतंकवाद से परहेज करना चाहिए : मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने केंद्र सरकार की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को घुटनों पर लाकर गिड़गिड़ाने के लिए मजबूर कर दिया। ऐसे में अब पाकिस्तान को आतंकवाद से परहेज घर आतंकियों को सरेंडर करवाना चाहिए। मदन राठौड़ ने कहा कि दूरदर्शन से पता चला है कि भारत और पाकिस्तान दोनों देशों ने आपस में बात कर युद्ध विराम की घोषणा की है। इससे ज्यादा जानकारी तो शीर्ष नेतृत्व से कुछ वक्त बाद ही पता चल पाएगी। लेकिन मुझे लगता है कि पाकिस्तान को आतंकवाद से परहेज करना चाहिए। पाकिस्तान को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वहां आतंकवाद और आतंकवादी न पनप पाए। वहां किसी भी तरह का आतंकवादी प्रशिक्षण केंद्र भी नहीं चलाए। इसके साथ ही जिन लोगों ने भारत के पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम दिया। पाकिस्तान को उन लोगों से सरेंडर भी करवाना चाहिए। इनके साथ ही अजर मोहम्मद से लेकर वह सभी आतंकवादी जिन्होंने भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिया है उन सबको भी पाकिस्तान द्वारा सरेंडर करवाना चाहिए। यह मेरी सोच और मेरा अंदाजा है वैसे भी हमारा नेतृत्व इस स्थिति में आकर इतनी आसानी से किसी को छोड़ने वाला नहीं है। पहलगाम घटना के बाद नेतृत्व ने तय किया था कि ऐसा सबक सिखाएंगे कि पाकिस्तान जिंदगी भर याद रखेगा। उसी तर्ज पर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई भी की गई। अब उन्हें शर्तों पर यह युद्ध विराम भी हुआ होगा। बाकी जो भी स्थिति है वह आपके और हमारे सामने जल्द आ ही जाएगी। राठौड़ ने कहा कि हमारा उद्देश्य आतंकवादियों और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करना था न कि पाकिस्तान की आम जनता को परेशान करना था। लेकिन बीते दिनों में पाकिस्तान ने आम नागरिकों को ही अपना ढाल बनाया। उन्होंने अपने एयर बेस पर हवाई यात्रा तक चालू रख रखी थी। ताकि निर्दोष यात्रियों की आड़ में वह हम पर मिसाइल छोड़ता रहे। उन्हें पता था भारत सामान्य नागरिकों पर कोई हमला नहीं करेगा। भारत में सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जहां आम नागरिक थे उन एयर बेस को निशाना नहीं बनाया। बल्कि, हमने सिर्फ सैन्य एयर बेस पर ही निशाना साधा। मोदी जी ने जो भी निर्णय लिया है, वह काफी सोच समझ कर लिया है। वैसे भी हमने पाकिस्तान का पानी रोक कर उन्हें घुटने पर ला दिया था। जिसके बाद पाकिस्तान गिड़गिड़ाने लगा, और उसे गिड़गिड़ाना भी चाहिए था। ताकि पाकिस्तान कोई भी कदम उठाने से पहले भविष्य में जरूर इन सभी पहलुओं का ध्यान रखें।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।